विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष	श्री गौरी शंकर अग्रवाल
उपाध्यक्ष	श्री बद्रीधर दीवान
सचिव	श्री चन्द्रशेखर गंगराड़े

सभापति तालिका

01. श्री देवजी भाई पटेल

02. श्री सत्यनारायण शर्मा

03. श्री संतोष बाफना

04. श्री शिवरतन शर्मा

05. श्री धनेन्द्र साहू

...

अप्राधिकृत/प्रकाशन के लिए नहीं

माननीय राज्यपाल

श्री बलराम जी दास टंडन

मंत्रिमंडल के सदस्यों की सूची

1.	डॉ0रमन सिंह, मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन, वित्त, इलेक्ट्रानिक्स एवं प्रौद्योगिकी, जन सम्पर्क, खनिज साधन,ऊर्जा,विमानन एवं अन्य विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित ना हो.
2.	श्री अजय चंद्राकर, मंत्री	पंचायत एवं ग्रामीण विकास, संसदीय कार्य, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा
3.	श्री अमर अग्रवाल, मंत्री	वाणिज्यिक कर,नगरीय प्रशासन,वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग
4.	श्री बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री	कृषि एवं जैव विविधता, पशुपालन, मछली पालन जल संसाधन, आयाकट, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व
5.	श्री केदारनाथ कश्यप, मंत्री	आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, स्कूल शिक्षा
6.	श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, मंत्री	राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं जनशक्ति नियोजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी
7.	श्री पुन्नूलाल मोहले, मंत्री	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, ग्रामोद्योग, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन एवं योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग
8.	श्री राजेश मूणत, मंत्री	लोक निर्माण, आवास एवं पर्यावरण, परिवहन
9.	श्री रामसेवक पैकरा, मंत्री	गृह, जेल एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
10.	श्रीमती रमशीला साहू, मंत्री	महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण
11.	श्री दयालदास बघेल, मंत्री	सहकारिता, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग
12.	श्री भैयालाल राजवाड़े, मंत्री	श्रम, खेल एवं युवा कल्याण, जन शिकायत निवारण
13.	श्री महेश गागड़ा, मंत्री	वन, विधि और विधायी कार्य विभाग

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

संसदीय सचिवों की सूची

1.	श्री अंबेश जांगड़े	आदिम जाति विकास मंत्री से संबद्ध
2.	श्री लाभचन्द बाफना	गृह मंत्री से संबद्ध
3.	श्री लखन देवांगन	खाद्य मंत्री से संबद्ध
4.	श्री मोतीराम चन्द्रवंशी	मुख्यमंत्री से संबद्ध
5.	श्रीमती रूपकुमारी चौधरी	महिला एवं बाल विकास मंत्री से संबद्ध
6.	श्री शिवशंकर पैकरा	पंचायत मंत्री से संबद्ध
7.	श्रीमती सुनीति सत्यानन्द राठिया	उद्योग मंत्री से संबद्ध
8.	श्री तोखन साहू	कृषि मंत्री से संबद्ध
9.	श्रीमती चम्पादेवी पावले	वन मंत्री से संबद्ध
10.	श्री गोवर्धन सिंह मांझी	राजस्व मंत्री से संबद्ध
11.	श्री राजू सिंह क्षत्रीय	लोक निर्माण मंत्री से संबद्ध

.....

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिए नहीं

सदस्यों की वर्णात्मक सूची
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा क्रमांक सहित)

अ

01.	अजय चन्द्राकर	57-कुरूद
02.	अमर अग्रवाल	30-बिलासपुर
03.	अमरजीत भगत	11-सीतापुर (अ.ज.जा.)
04.	अरूण वोरा	64-दुर्ग शहर
05.	अवधेश सिंह चंदेल	69-बेमेतरा
06.	अंबेश जांगड़े	38-पामगढ़ (अ.जा.)
07.	अनिला भेंडिया, श्रीमती	60-डौंडी लोहारा (अ.ज.जा.)
08.	अमित जोगी	24-मरवाही (अ.ज.जा.)
09.	अशोक साहू	72-कवर्धा

उ

1.	उमेश पटेल	18-खरसिया

क

01.	कवासी लखमा	90-कोन्टा (अ.ज.जा.)
02.	केशव चन्द्रा	37-जैजैपुर
03.	केदारनाथ कश्यप	84-नारायणपुर(अ.जा.जा.)
04.	केराबाई मनहर, श्रीमती	17-सारंगढ़ (अ.जा.)

ख

01	खिलावन साहू,डा.	35-सक्ती
02.	खेलसाय सिंह	04-प्रेमनगर

ग

01.	गिरवर जंघेल	73-खैरागढ़
02.	गुरूमुख सिंह होरा	58-धमतरी
03.	गोवर्धन सिंह मांझी	55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.)
04.	गौरी शंकर अग्रवाल	44-कसडोल

च

01.	चम्पादेवी पावले, श्रीमती	01-भरतपुर-सोनहत (अ.ज.जा.)
02.	चिन्तामणी महाराज	09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)
03.	चुन्नीलाल साहू	33-अकलतरा

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिए नहीं

04.	चुन्नीलाल साहू	41-खल्लारी
	ज	
01.	जनकराम वर्मा	45-बलौदा बाजार
02.	जयसिंह अग्रवाल	21-कोरबा
	ट	
01.	टी.एस.सिंहदेव	10-अम्बिकापुर
	त	
01.	तेजकुंवर गोवर्धन नेताम,श्रीमती	78-मोहला-मानपुर(अ.ज.जा.)
02.	तोखन साहू	26-लोरमी
	द	
01.	दयालदास बघेल	70-नवागढ़ (अ.जा.)
02.	दलेश्वर साहू	76-डोंगरगांव
03.	दिलीप लहरिया	32-मस्तूरी (अ.जा.)
04.	दीपक बैज	87-चित्रकोट(अ.ज.जा.)
05.	देवती कर्मा, श्रीमती	88-दन्तेवाड़ा (अ.ज.जा.)
06.	देवजी भाई पटेल	47-धरसींवा
	ध	
01.	धनेन्द्र साहू	53-अभनपुर
	न	
01.	नवीन मारकण्डेय	52-आरंग (अ.जा.)
	प	
01.	पारसनाथ राजवाड़े	05- भटगांव
03.	पुन्नूलाल मोहले	27-मुंगेली (अ.जा.)
02.	प्रीतम राम, डा.	08-सामरी (अ.ज.जा.)
04.	प्रेमप्रकाश पाण्डेय	65-भिलाई नगर
	ब	
01.	बद्रीधर दीवान	31-बेलतरा
02.	बृहस्पत सिंह	07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.)
03.	बृजमोहन अग्रवाल	51-रायपुर नगर(दक्षिण)
04.	बर्नाड जे.रोड्रीग्स	नाम निर्दिष्ट

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

भ

01.	भईयालाल राजवाड़े	03-बैकुण्ठपुर
02.	भूपेश बघेल	62-पाटन
03.	भैयाराम सिन्हा	59-संजारी बालौद
04.	भोजराज नाग	79-अंतागढ़ (अ.ज.जा.)
05.	भोलाराम साहू	77-खुज्जी

म

01.	महेश गागड़ा	89-बीजापुर(अ.ज.जा.)
02.	मनोज सिंह मण्डावी	80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.)
03.	मोहन मरकाम	83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.)
04.	मोतीराम चन्द्रवंशी	71-पंडरिया
05.	मोतीलाल देवांगन	34-जांजगीर-चांपा

य

01.	युध्दवीर सिंह जूदेव	36-चन्द्रपुर

र

01.	रमन सिंह, डॉ.	75-राजनांदगांव
02.	रमशीला साहू, श्रीमती	63-दुर्ग ग्रामीण
03.	रामदयाल उइके	23-पाली-तानाखार(अ.ज.जा.)
04.	रामलाल चौहान	39-सराईपाली (अ.जा.)
05.	राजशरण भगत	12-जशपुर(अ.ज.जा.)
06.	रामसेवक पैकरा	06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.)
07.	राजमहंत सांवलाराम डाहरे	67-अहिवारा (अ.जा.)
08.	राजू सिंह क्षत्री	28-तखतपुर
09.	राजेश मूणत	49-रायपुर नगर (पश्चिम)
10.	राजेन्द्र कुमार राय	61-गुण्डरदेही
11.	रूपकुमारी चौधरी, श्रीमती	40-बसना
12.	रेणु जोगी, डॉ0(श्रीमती)	25-कोटा
13.	रोशनलाल अग्रवाल	16-रायगढ़
14.	रोहित कुमार साय	13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)

ल

01.	लखन देवांगन	22-कटघोरा

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिए नहीं

02.	लखेश्वर बघेल	85-बस्तर (अ.ज.जा.)
03.	लाभचन्द बाफना	68-साजा
04.	लालजीत सिंह राठिया	19-धरमजयगढ़ (अ.ज.जा.)

व

01.	विद्यारतन भसीन	66-वैशाली नगर
02.	विमल चोपड़ा, डा.	42-महासमुन्द

श

01.	शंकर ध्रुवा	81-कांकेर (अ.ज.जा.)
02.	श्यामलाल कंवर	20-रामपुर(अ.ज.जा.)
03.	श्यामबिहारी जायसवाल	02-मनेन्द्रगढ़
04.	शिवरतन शर्मा	46-भाटापारा
05.	शिवशंकर पैकरा	14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.)

स

01.	सत्यनारायण शर्मा	48-रायपुर ग्रामीण
02.	सनम जांगड़े,डा.	43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)
03.	संतराम नेताम	82-केशकाल (अ.ज.जा.)
04.	संतोष बाफना	86-जगदलपुर
05.	संतोष उपाध्याय	54-राजिम
06.	सरोजनी बंजारे, श्रीमती	74-डोंगरगढ़ (अ.जा.)
07.	सियाराम कौशिक	29-बिल्हा
08.	सुनीती सत्यानंद राठिया , श्रीमती	15-लैलूंगा (अ.ज.जा.)

श्र

01.	श्रवण मरकाम	56-सिहावा(अ.ज.जा.)
02.	श्रीचंद सुंदरानी	50-रायपुर नगर उत्तर

....

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

छत्तीसगढ़ विधान सभा

सोमवार, दिनांक 2 जुलाई, 2018

(आषाढ़-11, शक संवत् 1940)

विधान सभा पूर्वाह्न 11:00 बजे समवेत् हुई

(अध्यक्ष महोदय (श्री गौरीशंकर अग्रवाल) पीठासीन हुए)

राष्ट्रगीत

अध्यक्ष महोदय :- अब राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" होगा । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रगीत के लिये कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जायें ।

(राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" की धुन बजाई गई)

समय :

निधन का उल्लेख

11.01 बजे

1. **श्री हेमचंद यादव, पूर्व मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन।**
2. **श्री केयूर भूषण, पूर्व सांसद ।**
3. **श्री विक्रम भगत, पूर्व राज्य मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन ।**

अध्यक्ष महोदय :- मुझे सदन को सूचित करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री श्री हेमचंद यादव जी का दिनांक 10 अप्रेल, 2018 की देर रात्रि 1.00 बजे, लोकसभा के पूर्व सदस्य, माननीय श्री केयूर भूषण का दिनांक 03 मई, 2018 एवं छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व राज्य मंत्री, श्री विक्रम भगत का दिनांक 20 जून, 2018 की देर रात्रि 1.00 बजे निधन हो गया है ।

श्री हेमचंद यादव जी का जन्म 01 दिसम्बर, सन् 1958 को दुर्ग में हुआ था। आपका मुख्य व्यवसाय कृषि था, आप प्रारंभ से ही राजनैतिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे । आप प्रथम बार सन् 1998 में दुर्ग निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के लिये विधायक निर्वाचित हुए तथा सन् 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात्

नीरमणी\02-07-2018\a10\11.00-11.05

छत्तीसगढ़ की प्रथम विधानसभा के सदस्य बने । आप सन् 2003 तथा 2008 में भी छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिये सदस्य निर्वाचित हुए तथा छत्तीसगढ़ शासन में जल संसाधन, आयाकट, खेल एवं युवक कल्याण, परिवहन, खाद्य तथा नागरिक आपूर्ति, श्रम, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं जन शक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा विधि विधायी कार्य जैसे अनेक महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री पद का दायित्व संभाला । आप भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के उपाध्यक्ष थे। आप अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये सदैव संघर्षशील रहे । आपने राजनैतिक तथा सामाजिक जीवन में अनेक उपलब्धियां हासिल कीं । वर्ष 1998 में श्री हेमचंद यादव जी एवं मैं, स्वयं मध्यप्रदेश विधानसभा के लिये प्रथम बार निर्वाचित हुए थे । उनके अंतिम संस्कार के समय एकत्रित जनसैलाब उनकी सादगी, शालीनता एवं उनकी लोकप्रियता का द्योतक है ।उनकी इसी लोकप्रियता को देखते हुए दुर्ग विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर किये जाने की घोषणा तत्समय ही माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी । आपका दीर्घकालीन राजनैतिक जीवन जनता की भलाई, प्रदेश तथा समाज के विकास के लिये समर्पित रहा ।

आपका निधन छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिये अपूरणीय क्षति है, आपके निधन से प्रदेश ने एक ऊर्जावान राजनेता, कुशल प्रशासक तथा समाजसेवी को खो दिया है ।

माननीय श्री केयूर भूषण जी का जन्म 25 फरवरी सन् 1928 को दुर्ग जिले के ग्राम जाता में हुआ था । आप युवावस्था से ही स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे तथा सन् 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में आपने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा जेल भी गये । आप सन् 1980 तथा 1984 में लगातार दो बार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र रायपुर से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए । आपकी समाज सेवा में विशेष अभिरूचि थी । आप छत्तीसगढ़ी साहित्यकार भी थे । आप पृथक छत्तीसगढ़ आंदोलन के भी अगुआ रहे। आप आपने क्षेत्र तथा प्रदेश के विकास हेतु जीवनपर्यन्त संघर्षशील रहे । आपका दीर्घकालीन राजैतिक जीवन आदर्शों एवं सिद्धांतों के लिये समर्पित रहा । आप छत्तीसगढ़ के गांधी के रूप में जाने जाते थे और उन्होंने जीवनपर्यन्त महात्मा गांधी जी के आदर्शों का अनुसरण किया और दो बार सांसद रहने के बावजूद भी इतने सरल और सहज थे कि कहीं भी आने-जाने के लिये वाहन के रूप में सायकिल का ही उपयोग करते थे, इसमें उन्हें कभी कोई संकोच नहीं होता था ।

आपके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, राजनीतिज्ञ, चिंतक तथा समाजसेवी को खो दिया है । .....जारी

.....श्री यादव

यादव\02-07-2018\a11\11.05-11.10

.....(जारी अध्यक्ष महोदय) :- श्री विक्रम भगत का जन्म 06 मई सन् 1942 को जशपुर जिले के अलौरी गांव में हुआ था । आपका मुख्य व्यवसाय कृषि था । आप प्रारंभ से राजनैतिक तथा सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे । आप प्रथम बार सन् 1985 में भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर बगीचा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए तद्न्तर सन् 1990, 1993 तथा 1998 में अविभाजित मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित होकर आप सन् 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ की प्रथम विधान सभा के सदस्य बने । आपने सन् 2002 में छत्तीसगढ़ शासन में सामान्य प्रशासन, स्वास्थ्य, वन तथा जन शिकायत निवारण विभाग के राज्य मंत्री पद का दायित्व संभाला । आपने अपने क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया ।

आपके निधन से प्रदेश ने एक अनुभवी राजनेता, प्रशासक तथा समाजसेवी को खो दिया है ।

मुख्यमंत्री (डॉ.रमन सिंह) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने निधन का उल्लेख किया, मैं अपनी ओर से उन सभी के श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । विशेष रूप से याद करते हैं तो हम सबके मित्र, बहुत ही सरल, विनम्र, सादगी के साथ जीवन जीने वाले सफल संगठनकर्ता, ईमानदारी से काम करने वाले और सफल मंत्री की भूमिका निभाने वाले हेमचंद यादव जी के साथ मैं कितनी ही बातें जोड़ना चाहूंगा, उतनी ही कम पड़ती हैं । उन्होंने जिस प्रकार से जीवन जीया, उन्होंने जिस सादगी के साथ अंतिम क्षणों तक बीमारी के साथ संघर्ष किया, उनके अंदर जो अद्भुत क्षमता थी, उसको उन्होंने प्रकट किया । यदि मैं हेमचंद जी को एक शब्द में कहूं तो वह अजातशत्रु की भूमिका में रहे, उनका कोई शत्रु नहीं था । सबके साथ समान व्यवहार करने वाले ऐसे व्यक्ति जिनकी आवाज इस प्रदेश, इस सदन में नहीं गूंजेगी । हम सब निश्चित रूप से उनको याद करते हैं । उनकी लोककला और लोक संगीत में विशेष रूचि के लिए याद करते हैं । विद्यार्थी जीवन से स्पोर्टमेन रहे और अंत तक खेल के प्रति उनकी भावना रही । उनकी सामाजिक, राजनीतिक आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही । प्रदेश के उपाध्यक्ष के रूप में और संगठन के विभिन्न पदों में पूरी जवाबदारी के साथ उनके अंदर तालमेल की इतनी अद्भुत क्षमता थी कि संगठन हो या सरकार हो, किसी पक्ष को भी संतुष्ट करने की क्षमता थी । उनके अंदर इतना अद्भुत धैर्य था कि हमने उनको कभी उत्तेजित होते नहीं देखा । 2003 से 2008 और 2008 से 2013 में पंचायत, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, श्रम, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री के रूप में उन्होंने निश्चित रूप से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । 60 वर्ष के जीवन में, जीवन की लंबाई को जब आदमी तौलता है, लंबे जीवन से कुछ नहीं हो सकता, हेमचंद जी ने 60 साल में जो उपलब्धि हासिल की है उससे लगता है कि जीवन लंबा न हो, अच्छा हो । उसका एक उदाहरण है कि उन्होंने इस कम समय में भी

सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक काम किया और उनकी एक विशिष्ट पहचान बनी । अध्यक्ष महोदय, उनके लिए सबके मन में सम्मान है । छत्तीसगढ़ के लोगों ने और हम सबने इस बात को तय किया कि ऐसे व्यक्ति की याद को हमेशा हमेशा के लिए मजबूत बनाने के लिए दुर्ग विश्वविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के रूप में किया है । इससे निश्चित रूप लोगों के मन में हमेशा के लिए उनकी में छाप रहेगी । मैं उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर कामना करता हूं कि उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे ।

अध्यक्ष महोदय, केयूर भूषण जी का 90 वर्ष की आयु में देहवासन हुआ । एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक सामाजिक और राजनीतिक युग की समाप्ति हुई । हम सबने गांधी जी को काम करते हुए नहीं देखा था, मगर केयूर भूषण जी को देखने के बाद यह बात समझ में आती थी कि गांधी जी के सिद्धांतों का जीवन में कोई यदि कोई पालन कर रहा था और जो अंतिम क्षणों तक करते रहे, उस व्यक्ति का नाम स्वर्गीय केयूर भूषण है, जिनको हमेशा याद किया जाएगा । छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोगों के लिए और देश के लोगों के लिए उनका काम 17 वर्ष की उम्र में .....(जारी)

श्री मिश्रा

मिश्रा\02-07-2018\a12\.-.5

जारी.. डॉ. रमन सिंह :- और छत्तीसगढ़ प्रदेश और देश के लोगों के लिए उनका काम, 17 वर्ष की उम्र में जेल यात्रा करना, 1942 के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका और लगातार उस संघर्ष की यात्रा में कार्य करने का काम केयूर भूषण जी ने किया है। लोकसभा में उनकी भूमिका, छत्तीसगढ़ की बोली-भाषा, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खादी का प्रसार, आयुर्वेद, योग के प्रसार में उन्होंने पूरा जीवन लगा दिया। ये सारे ऐसे क्षेत्र थे जो गांधी जी के उस मार्ग में चलते हुए इन क्षेत्रों के विस्तार के लिए लगातार कार्य और अस्वस्थता के बावजूद ऐसा कोई माह नहीं जाता था, मैं उनको कहता था कि मुझे बुला लो मगर वह बोलते थे कि गाड़ी भेज दो, मैं आ जाउंगा और हर माह में एक बार केयूर भूषण जी के जरूर दर्शन होते थे। वे आते थे, बैठते थे और बैठकर सरकार के बारे में, उनकी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन देते थे और उनकी कल्पना और उसको निखार करने का काम केयूर भूषण जी ने किया। वे हमेशा सर्वोदय आंदोलन पर सक्रिय रहे। उनकी लिखी किताब उनके आंदोलन की पृष्ठभूमि को बताती है। मैं आज केयूर भूषण जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री विक्रम भगत जी के रूप में जशपुर क्षेत्र का एक सशक्त नेतृत्वकर्ता आज विलुप्त हो गया। 76 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस लोक को अलविदा कहा। भगत जी सामाजिक, आर्थिक जीवन की एक मिसाल थे। वह 1975 में सरपंच के रूप में, 1980 में जनपद मनोरा के अध्यक्ष के रूप में और 1985 में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के विधायक जीतकर आये। वह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की विधानसभा में चार बार विधायक रहे। वर्ष 2002 में राज्यमंत्री की हैसियत से वन, पर्यावरण, स्वास्थ्य, चिकित्सा, सामान्य प्रशासन एवं जनशक्ति नियोजन, शिकायत निवारण विभाग को उन्होंने देखा। 76 वर्ष के जीवनकाल में भगत जी ने अपने व्यवहार, शालीनता एवं जनसेवा के माध्यम से अनेक उपलब्धियां हासिल कीं। वे जमीन से जुड़े, बेहद शादगीपसंद राजनेता के रूप में रहे। मैं विक्रम भगत जी को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करे। हम सब भगत परिवार के दुख में सहभागी हैं।

नेता प्रतिपक्ष (श्री टी.एस.सिंहदेव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेस विधायक दल की ओर से स्वर्गीय श्री केयूर भूषण जी, स्वर्गीय श्री विक्रम भगत जी, स्वर्गीय श्री हेमचंद यादव जी के देहावसान के बाद श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु खड़ा हुआ हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री हेमचंद यादव जी के साथ मुझे भी इस विधानसभा में पांच साल साथी के रूप में उपस्थित होने का मौका मिला था और बड़े ही सहज और मुस्कराते हुए मिलनसार व्यक्ति के रूप में मेरी उनके संदर्भ की याददास्ते हैं। वह मंत्री भी रहे, हम लोगों को क्षेत्र के संबंध में कुछ बातें रखने का कभी अवसर रहता था तो उन्होंने कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि अन्य दल के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने हमेशा बड़े मुस्कराते हुए बातों को सुना। उनका जन्म 1 दिसंबर, 1958 में हुआ। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की, उनमें लोक संगीत की गहरी रूचि थी। वे छात्र जीवन से ही खेलकूद और सार्वजनिक और राजनैतिक गतिविधियों में उनकी प्रबल इच्छाशक्ति परिलक्षित हुई और 1997 में वह भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भी मनोनित हुए थे। वह 1998 में तत्कालीन मध्यप्रदेश विधानसभा में दुर्ग शहर से विधायक चुने गये और उन्हें वर्ष 2003 और 2008 में भी जनप्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। तुलनात्मक बहुत कम आयु में उनके आकस्मिक निधन के बाद कांग्रेस विधायक दल उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और उनके परिवार के सभी सदस्यों को एक गहरा शोक सहन करने की क्षमता मिले इसकी कामना करता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय केयूर भूषण जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। छत्तीसगढ़ी साहित्यकार के रूप में केयूर भूषण जी की भूमिका बहुत अहम रही। वह 1 मार्च, 1928 को बेमेतरा जिले के जांता में उनका जन्म हुआ। प्राथमिक शिक्षा वह 11 वर्ष तक ही ग्रहण कर सके क्योंकि उसके बाद से

ही आजादी की लड़ाई में वह शरीक हो गये। 14 साल की उम्र में वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने ... जारी

श्री कुरैशी

कुरैशी\02-07-2018\a13\11.15-11.20

जारी.....श्री टी.एस.सिंहदेव :-

1942 में महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने सरकार के विरूद्ध असहयोग आंदोलन में अपनी गिरफ्तारी दी । वे 9 महीने तक जेल में रहे, रायपुर केन्द्रीय जेल में सबसे कम उम्र के राजनैतिक बंदी के रूप में उनका नाम अंकित हुआ । उनमें देशभक्ति का जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ था । अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें 3 साल तक नजरबंद रखा गया था । उस समय विद्रोह के आरोप में गोली मारने के आदेश जारी हुए थे, किंतु तत्कालीन कलेक्टर आर.के.पाटिल जी ने उस आदेश को मानने से इन्कार कर दिया और उन्होंने बाद में भी किसान, मजदूर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए, वे पुन: जेल में बंदी बनाए गए थे । गांधीवादी विचारधारा और चिंतन के केयूर भूषण जी, हरिजन सेवक संघ के भी पदाधिकारी रहे, उस संदर्भ में भी उन्होंने बहुत संवेदनशील कार्य किया । उन्होंने छत्तीसढ़ी साहित्य को अलग पहचान देने की लगातार पहल की और उन्होंने लहर, कुल के मरजाद, कालू भगत, लोक-लाज एवं कहां बिलागे मोर धान के कटोरा जैसी रचनाओं को लिपिबद्ध किया । छत्तीसगढ़ के कलाकारों को देश भर में एक मंच देने की दिशा में केयूर भूषण जी की अहम भूमिका रही, बहुत बड़ा योगदान रहा और उनके प्रयासों से ही रायगढ़ में चक्रधर समारोह प्रारंभ हुआ । अध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ी बोली को राजभाषा बनाने के लिए उन्होंने सदैव संघर्ष किया । केयूर भूषण जी की सादगी की मिसाल, जैसा आपने भी कहा कि वे अधिकतर सायकिल पर ही सवार होकर चलते नजर आते थे । छत्तीसगढ़ शासन के पहले "पंडित रविशंकर सद्भावना पुरस्कार" से 2001 में उन्हें सम्मानित किया गया था । 1985 और 1990 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में रायपुर लोक सभा से दो बार सांसद रहे । केयूर भूषण जी भू-दान अंदोलन, गोवा मुक्ति आंदोलन, मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए लगातार आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे । 3 मई, 2018 को 90 वर्ष की आयु में अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हुई । उनका जीवन जन सेवा और साहित्य सेवा से जुड़ा रहा । हम विधायक दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय विक्रम भगत जी जिनका जन्म 6 मई, 1942 को जशपुर के अलौरा ग्राम में हुआ था । वे लगभग 45 साल तक राजनैतिक जीवन में रहे । जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया, वे सर्वप्रथम गैला के सरपंच के रूप में निर्वाचित हुए । फिर मनोरा के जनपद अध्यक्ष के रूप

में 1980 में और 1985 से 1990 तक विधान सभा सदस्य के रूप में बगीचा से निर्वाचित हुए, 1990 से 1992, 1993 से 1998 और 1998 से 2003 तक, चार बार उन्होंने विधान सभा में जनप्रतिनिधित्व किया । 21.12.2001 को अपने पुराने दल को छोड़कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में सम्मिलित हुए और राज्यमंत्री के रूप में सामान्य प्रशासन, स्वास्थ्य, वन आदि विभागों में उन्होंने दायित्व को संभाला था । 89 वर्ष की उम्र में 20 जून 2018 में उनका निधन हुआ । वे बहुत ही सरल स्वभाव के, अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के, अनुसूचित जनजाति वर्ग के जनप्रतिनिधि के योगदान को स्मरण करते हुए, हम विधायक दल की ओर से उन्हें भी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं । उनके परिवारजनों को इस शोक के अवसर पर पूरी सद्भावना व्यक्त करते हैं ।

-- श्री अग्रवाल --

अग्रवाल\02-07-2018\a14\11.20-25

संसदीय कार्यमंत्री (श्री अजय चन्द्राकर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय हेमचन्द जी यादव तीन बार इस सदन के सदस्य रहे । राजनीतिक, सार्वजनिक जीवन में, धार्मिक, सांस्कृतिक सारे जीवन में बचपन से ही ये सक्रिय रहें, ऐसा मान लेते हैं । हम लोगों में से बहुत लोगों ने एक साथ राजनीतिक जीवन शुरू किया और लगभग हम सब इसमें से बहुत लोग हैं, जो एक ही गुरू के शिष्य रहे और तमाम राजनीतिक उतार-चढ़ाव को एक साथ महसूस किया, लड़ा और कोई भी उतार-चढ़ाव के दौरान उनके साथ रहने से हम लोग कभी टूटे-बिखेर नहीं । कोई भी विपरीत परिस्थितियां रहे, उनकी उपस्थिति ही ताकत देती थी, कहते थे कि सब ठीक हो जाएगा, सब अच्छा होगा । जितने शब्द, जितने विचार, जितने भाव उनके लिए मैं या मेरे साथी, जो इधर बैठे हैं, समर्पित करें, वह कम होगा । आज के सार्वजनिक जीवन में उस तरह के व्यक्तित्व बहुत कम पाये जाते हैं । जितनी बात कहूं, जितनी स्मृतियां, सब कम होगी । मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और उच्च शिक्षा मंत्री जी को इस बात के लिए सबकी ओर से जरूर धन्यवाद दूंगा कि उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए शिक्षण संस्थान् को उनका नाम दिया । सार्वजनिक जीवन, दुर्ग जिला, दुर्ग शहर और उनके साथ-साथ मेरे जैसे अनन्य लोग हैं, उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है । उनकी आत्मा की शांति के लिए हम सब लोग प्रार्थना करते हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, केयूर भूषण जी छत्तीसगढ़ के राजनीतिक, सामाजिक और साहित्यिक इतिहास की एक समकालीन दौर के इनसाइक्लोपीडिया थे और ये कहें कि गांधीवाद जब धीरे-धीरे हम लोग किताबों में ही ज्यादा पढ़ रहे हैं, सार्वजनिक जीवन में उनकी उपस्थिति कम दिख रही है तो मैं ये कह सकता हूं कि वे छत्तीसगढ़ में उस दौर के आखरी व्यक्ति थे, जिन्होंने उस आन्दोलन में काम किया, उनके साथ भी काम किया और उस तरीके से जीवन को जीने की कोशिश की। वह हम सबके

लिए, छत्तीसगढ़ के राजनीतिक जीवन के साथ-साथ जो छत्तीसगढ़ से प्रेम करते हैं, ऐसे लोगों के लिए उस आन्दोलन में लगे रहते हैं, उनकी अस्मिता के लिए, उनके लिए बड़ी क्षति है ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, विक्रम भगत जी बहुत वरिष्ठ अनुसूचित जनजाति समाज के नेता थे। एक सत्र में उनके साथ विधायक रहने का भी अवसर मिला, पर मैं व्यक्तिगत तौर पर ये मानता हूं कि वे बहुत सरल, सहज थे । वे तीन-चार बार जीतकर आए, उन के साथ जिस तरह की राजनीतिक घटनाएं घटीं, वह किन्हीं भी परिस्थितियां में, किन्हीं भी कारणों से घटीं, उसका प्रमुख कारण जो भी हो, पर विक्रम भगत जी उसके बाद से अंदर से टूट से गए थे, वे फिर दोबारा सक्रिय नहीं हो पाए और एक सहज, सरल उस तरह के व्यक्तित्व के साथ जो कुछ भी हुआ, वह गलत था या सही था, यह तो आगे भविष्य तय करेगा, लेकिन उसके बाद से वे सार्वजनिक जीवन में नहीं दिखे और हमारी विचार-धारा के लिए भी और समाज के लिए भी, आदिवासी जनजाति समाज के लिए और जशपुर में जिस तरह की परिस्थितियां थीं और जिसके लिए उस समय कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री जी ने देश का पहला जो धर्मांतरण विरोधी कानून लाया है, उस आन्दोलन के समर्थन के बड़े हस्ताक्षर थे, उन्होंने जागृति के लिए जशपुर में बहुत काम किया और अंतिम दौर पर वे सार्वजनिक जीवन से दूर हटे, वह एक अच्छी बात नहीं रही । मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करता हूं ।

श्री भूपेश बघेल (पाटन) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय केयूर भूषण जी, हेमचन्द यादव जी, विक्रम भगत जी को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । तीनों व्यक्ति में एक समानता थी कि वे बहुत ही सहज, बहुत ही सरल, बहुत ही मिलनसार रहे हैं। स्वर्गीय केयूर भूषण जी गांधीवादी थे, भूदान यज्ञ से भी जुड़े रहे, हरिजन सेवा संघ से भी जुड़े रहे, सर्वोदय से जुड़े रहे और पूरे जीवन उन्होंने सादगीपूर्ण जीवन बिताया चाहे भले ही कितने ही बड़े पद में रहे, लेकिन उनकी सहजता, सरलता कभी नहीं छूटी ।

श्री देवांगन

देवांगन\02-07-2018\a15\11.25-11.30

जारी... श्री भूपेश बघेल :- उनकी सहजता और सरलता कभी छूटी नहीं और हमेशा सभी लोग उनका सम्मान करते रहे। उनके जाने से निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को अपूरणीय क्षति हुई है।

हेमचंद यादव जी बहुत ही सहज, सरल और मिलनसार तो थे ही, दुर्ग जिले के होने के कारण से हम लोगों की अनेक राजनीति, सामाजिक कार्यक्रमों में मुलाकात होती रही है। कितनी भी बड़ी बात हो, वे बहुत सरल रूप से कह देते थे। चुनाव हारे तो मैंने ऐसे ही पूछ लिया कि कैसे हार गये यादव जी ? तो वे कहते थे कि 'तोरे संगवारी तो हरा दिस यार' तो वे हार को भी बहुत सहजता से लेते थे और हर

परिस्थिति में सामान्य रहते थे। उसके बाद तो वे मेरे पड़ोसी हो गये थे इस नाते उनसे हमेशा मुलाकात होती रही। इतनी बड़ी बीमारी होने के बाद भी वे हंसते हुए उसको झेलते थे। जब सूचना मिली तो हम लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ कि हेमचंद यादव जी नहीं रहे। वे निश्चित रूप से इस सदन में पक्ष और विपक्ष में रहे और जिस दमदारी से वे अपनी बात रखते थे, आज हम सब उन्हें मनन करते हैं।

विक्रम भगत जी एक आदिवासी नेता थे, उनके जाने से अपूरणीय क्षति हुई है। मैं सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कृषि मंत्री (श्री बृजमोहन अग्रवाल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम एक ऐसे व्यक्तित्व को, शायद उनकी कमी इस विधान सभा में जितने सदस्य हैं, उनको होती है कि जिस व्यक्ति ने इतने लंबे राजनीतिक जीवन में, हम लोगों की तो राजनीतिक शुरुआत लगभग साथ-साथ हुई, कभी उनके चेहरे पर गुस्सा नहीं देखा। बड़ी-सी-बड़ी बात को चलो हो जायेगा नेताजी, चिंता मत करो और उन्होंने एक ऐसा जीवन जीया कि जैसा कभी उनके जीवन में उनके ऊपर में कभी कोई चाहे पक्ष के हों, चाहे विपक्ष के लोग हों, आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगा सकता और मैं तो कहता हूं कि शायद 10-20 लाख में कोई ऐसा एक व्यक्ति पैदा होता है। उस व्यक्ति ने राजनीति और नेता की जो प्रतिष्ठा होती है, उसको उसने कायम किया। मुझे लगता है कि जो लोग उनको जानते हैं, मानते हैं और पहचानते हैं, उन सबके लिए तो व्यक्तिगत क्षति है, परंतु प्रदेश के लिए यह एक अपूरणीय क्षति है। उनके स्थान को भर पाना आज के समय में संभव नहीं है। हम उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

माननीय केयूर भूषण जी रायपुर का होने के नाते उनके साथ में हम लोगों का लंबा जुड़ाव रहा। वे अस्पृश्यता के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ते थे, उन्होंने अनुसूचित जाति के बंधुओं को मंदिरों में प्रवेश करवाया। वैसे ही वे राजनीति में भी अस्पृश्ता रखते थे कि कभी किसी के साथ में कि कौन किस राजनीतिक दल का है, इसका वे भेदभाव नहीं करते थे। सबके साथ में एक जैसा व्यवहार और ऐसे गांधीवादी नेता का हमारे बीच से चला जाना, जैसा माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक युग की समाप्ति है।

माननीय विक्रम भगत जी तो हम लोगों के साथ में मध्यप्रदेश की विधान सभा और छत्तीसगढ़ की विधान सभा में साथ में बैठे हैं। वे सरल और सादगी की एक प्रतिमूर्ति थे। अनुसूचित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राजनेता हमारे बीच से चले गये। ये तीनों, जिनको आज हम श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं, ये सब लोगों ने हमारे जीवन में कुछ-न-कुछ छाप छोड़ी हैं। हम इनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्री सत्यनारायण शर्मा (रायपुर ग्रामीण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज पूरा सदन, हम सब स्वर्गीय हेमचंद यादव जी, केयूर भूषण जी और विक्रम भगत जी का पुण्य स्मरण कर रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, हेमचंद जी यादव की सरलता और उनकी सादगी हम सबके लिए एक नजीर है और उन्होंने अपने जीवन को एक बड़ी चुनौती के साथ जीया । माननीय अध्यक्ष जी, उनकी आयु बहुत ज्यादा नहीं थी, हम अल्पायु भी कह सकते हैं और इतने ही दिनों का हम सब लोगों के साथ उनका साथ था। बहुत ही मृदुभाषी और बोलचाल की भाषा में मित्रवत् व्यवहार उन्होंने हर व्यक्ति से किया। अनेक विभागों में उनका प्रशासनिक अनुभव और प्रशासनिक पकड़ रही है और वे आज हमारे बीच में नहीं है। उनकी रिक्तता की पूर्ति तो नहीं हो सकती, लेकिन उनका ....जारी ....

श्रीमती सविता

सविता\02-07-2018\a16\11.30-11.35

.....जारी श्री सत्यनारायण शर्मा :- और वे आज हमारे बीच में नहीं हैं। उनकी रिक्तता की पूर्ति तो नहीं हो सकती, लेकिन उनका पुन्य स्मरण करके आज हम सब उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, केयूर भूषण जी एक सर्वोदयी नेता थे। उन पर संत विनोभा भावे जी के आदर्श जीवन की अमिट छाप पड़ी थी और वे हमेशा भूदान यज्ञ से लेकर के कई आन्दोलनों से जुड़े रहे। पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के आन्दोलन में उनकी सहभागिता रही। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कई निजी शिक्षण संस्थाएं संचालित की। माननीय अध्यक्ष महोदय, भाई नवीन मारकण्डेय जी के क्षेत्र में रीवा की एक हायर सेकेण्डरी स्कूल महात्मा गांधी जी के नाम से चलती थी। मन्दिर हसौद तथा चन्दखुरी में स्वर्गीय अनन्तराम बरछिया स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के नाम से तीन-तीन हायर सेकेण्डरी स्कूल का संचालन केयूर भूषण जी ने किया। आगे जाकर मेरे द्वारा उनका शासनाधीन कराया गया। चूंकि केयूर भूषण जी चाहते थे, वहां टीचर्स को वेतन नहीं मिल पाता था, छात्रों को फीस देनी पड़ती थी। इसलिए उसका शासनाधीन बाद में मंदिर हसौद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आता था, उसका शासनाधीन हुआ और एक तरह से केयूर भूषण जी ने कम्युनिष्ट पार्टी में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभायी थी और उसके बाद दो-दो बार सांसद बने। प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी काफी अधिक रूचि थी और उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए काफी कुछ काम किया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से विक्रम भगत एक आदिवासी राजनेता थे। उनका सादगीपूर्ण जीवन रहा है। आदिवासियों के कल्याण के लिए उन्होंने बहुत अच्छे भी काम किये हैं। वे सरकार में मंत्री के रूप में काम करते रहे। उनके निधन से भी हम सब स्तब्ध रहे हैं और आज हम इन

दिवंगत नेताओं को विनम्र श्रद्धांजति अर्पित करते हैं । सदन के सभी दलों के लोगों ने आज उनको श्रद्धांजलि अर्पित की है। मैं भी अपने निर्वाचन क्षेत्र की ओर से, अपने तथा अपने दल की ओर से इन सब को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

राजस्व मंत्री (श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम सब यहां स्वर्गीय हेमचंद जी यादव के प्रति अपनी श्रद्धा के शब्द प्रस्तुत कर रहे हैं। स्वर्गीय हेमचंद जी का व्यक्तित्व ऐसे दो विपरीत ध्रुवों को एक साथ लेकर के चलने वाला हमेशा रहा। जितने वे सरल थे उतने ही राजनैतिक विचारों के प्रति दृढ़ थे। जितनी ही उनमें संगठन क्षमता थी, उतनी ही जनता के बीच में भी जनप्रियता के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों के प्रति भी दक्षता रखते थे। मुझे याद है। राजनीति में हम लोग यहां देखते हैं कि अभी चुनाव आने वाला है, दल उधर हो या इधर हो। अध्यक्ष जी भी जान रहे हैं, सी.एम. साहब भी अध्यक्ष रहे हैं। टिकट के लिए लोग क्या-क्या करते हैं? जब वर्ष 1993 में उनको पहली बार टिकट दिया गया तो वे मेरे पास आकर बोले कि हम चुनाव नहीं लड़ेंगे, ये टिकट वापस कर दीजिए और वे जिस व्यक्ति के लिए टिकट दे रहे थे, दुर्भाग्य से वह व्यक्ति आज तक उनको नहीं समझ पाया। लेकिन फिर पार्टी का निर्णय था, दो घण्टा समझाने के बाद उन्होंने टिकट लिया। वर्ष 1993 का चुनाव हारे। उसके पहले युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष रहे। विभिन्न राजनीतिक संघर्षों, राजनैतिक विचार, आम जनता में और सारे लोग यहां सब चीज देखे ही है। हमें यहां पर कहने में कोई बहुत अतिश्योक्ति नहीं होगी कि जब विधान सभा में मैं अध्यक्ष था, तब वे मंत्री थे और एक बार राष्ट्रपति जी के चुनाव के लिए स्वर्गीय दिग्विजय सिंह रेल राज्य मंत्री जो अटल जी की सरकार में थे वे आये हुए थे और अध्यक्षीय दीर्घा में बैठे थे, उसके बाद वे हमारे अध्यक्षीय चेम्बर में गये ....जारी

श्री चौधरी

चौधरी\02-07-2018\a17\11.35-11.40

पूर्व जारी.. श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- उसके बाद अध्यक्षीय चेम्बर में गये और वहां संयोग से मंत्री जी आये तो उनने कहा कि आप सरीखे सुन्दर उत्तर कोई नहीं देता। और मुझे पूरे 5 साल में कभी भी उस समय तो नहीं देखा और मुझे लगता है कि बाद में भी नहीं देखा कि कभी भी सारे सदस्यों ने जो भी कहा और वह अपने उत्तर से सबको संतुष्ट कर लेते थे, ऐसा बहुत कम होता है। एक व्यक्तिगत क्षति तो हम सबके साथ रही ही, मैं समझता हूं कि प्रदेश में छत्तीसगढ़ की अपनी माटी की, छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि के वह एक ऐसे हस्ताक्षर थे कि आने वाले समय में उनकी राजनीतिक दिशा में चलने के लिए लोग सोचेंगे और सामाजिक, राजनीतिक जीवन में वैसा बनने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के लिए ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने दुर्ग विश्वविद्याल का नाम बदल करके उनके नाम से

नामकरण किया है। मैं समझता हूं कि आने वाले समय में यह विधानसभा भी जब वह बिल पास होगा तो यह विधानसभा के द्वारा पूरे प्रदेश के लोगों के लिए और उनके प्रति एक ऐसी श्रद्धांजलि होगी जिससे ही समझ में आता है कि उनका व्यक्तित्व कितना ऊंचा था और जितना ऊंचा व्यक्तित्व था, उतना ही गहरा और सरल जीवन उन्होंने जिया।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय केयूर भूषण जी से भी जब हम अध्यक्ष थे तो कई बार परिचय हुआ और यह बात सही है कि वह छत्तीसगढ़ के गांधी कहलाते थे और गांधी जी को वही जिये हैं। उनका जीवन जितना सरल था, वह साइकिल से घूमने की प्रेरणा लोगों में अक्सर देते भी थे और हम लोगों को भी लगता था कि सायकिल चलाने से क्या-क्या लाभ हो सकते हैं। उस उम्र में भी जितना वे स्वस्थ रहे, वैचारिक दृष्टि से और पूरे मामलों में कई ऐसे अवसरों में हम लोग साथ टकराये। मैं उनके प्रति भी अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय विक्रम भगत जी वर्ष 1990 में जब हम लोग पहली बार मंत्री बने थे तब वे हमारे साथ विधायक थे। उसके बाद भी तत्कालीन मध्यप्रदेश में भी बाद में भी विधायक रहे और वे जशपुर क्षेत्र से आते थे। वे एक सरल आदिवासी समाज के नेतृत्वकर्ता थे। उनकी भी क्षति संपूर्ण आदिवासी समाज के लिए और प्रदेश के लिए क्षति है। उनके प्रति भी मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- बहुत से लोग श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं, आप संक्षिप्त में अपनी बात रखेंगे। अरूण वोरा जी।

श्री अरूण वोरा (दुर्ग शहर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज सदन श्री हेमचंद यादव जी, केयूर भूषण जी और विक्रम भगत जी का स्मरण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। हेमचंद यादव जी के साथ मुझे 5 बार चुनाव लड़ने का अवसर मिला। राजनीतिक प्रतिद्वंतिता होने के बावजूद हम लोगों में एक पारिवारिक संबंध था, आपसी सामंजस्यता थी। वे बहुत सरल और सहज इंसान थे। उनके निधन से न केवल दुर्ग की राजनीति को बल्कि छत्तीसगढ़ की राजनीति को गहरा आघात लगा है। मैं उन्हें अपनी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने दुर्ग विश्वविद्यालय का नाम श्री हेमचंद यादव विश्वविद्यालय किया। उनकी याद को अक्षुण्ण बनाये रखने का उन्होंने जो प्रयास किया है, उसके लिए मैं उनहें हृदय से धन्यवाद देता हूं। श्री केयूर भूषण जी भी सर्वोदयी नेता थे, विक्रम भगत जी भी इस सदन के सदस्य थे, मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सहकारिता मंत्री (श्री दयालदास बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम लोग भी पहले दुर्ग जिले में थे और वहां हर संगठन की बैठक में हमारे हेमचंद यादव जी से मुलाकात होती थी। हमको श्री हेमचंद यादव जी से काफी कुछ सीखने को मिला है.. (जारी)..

श्री अरविन्द

अरविंद\02-07-2018\a18\11.50-11.55

.....जारी श्री दयाल दास बघेल हमको हेमचंद यादव जी से काफी कुछ सीखने को मिला है। वे हर बैठक में जाते थे तो कहते थे कि पैर में चक्कर, मुंह में शक्कर, दिमाग में ठंडक रहना चाहिए। जितने भी युवक थे, उनको यह बात बताते थे कि राजनीति में यह आवश्यक है। हम लोग उस समय भी काफी कुछ सीखे। हम लोगों को कई बार उनके घर जाने का अवसर मिला। बाद में जब वे मंत्री थे, तो उनके घर गए। लेकिन आज भी उनका घर ज्यों का त्यों है। हम लोगों को उनके साथ भोजन करने का भी अवसर मिला। गेहूं की रोटी और घी उनका प्रिय भोजन था। वे कई बार क्षेत्र के कार्यक्रमों में गए हैं, यादव समाज के साथ बैठक भी हुए। इस तरह से आज भी हम लोगों को हेमचंद यादव जी की कमी महसूस होती है। वे काफी शांतप्रिय थे। वे पूरे जिले का दौरा भी करते थे और उन्होंने बहुत से काम भी किए हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, हेमचंद यादव जी के निधन से हमें गहरा दु:ख हुआ है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति दे और उनके परिवार को दु:ख सहने की क्षमता प्रदान करें, मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय केयर भूषण जी का जन्म मेरे विधानसभा क्षेत्र के एक छोटे से ग्राम जाता में था। वहां केयर भूषण जी, ममतामयी मिनीमाता के साथ अक्सर समाज में जाते थे। सतनामी समाज के साथ कोई भी विवाद और कुछ भी होता था, तो उनका समझौता कराने के लिए केयर भूषण जी उपस्थित रहते थे। उस समय भी उनका मेरे घर दो-तीन बार आना हुआ है। जहां भी सतनामी समाज और अन्य समाज के बीच विवाद होता था तो केयर भूषण जी जरूर समझौता कराने का काम करते थे। मेरे यहां भी एक विवाद हुआ था, उसमें भी वे आये थे और समझौता कराने का प्रयास भी किए। लेकिन समझौता नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि वे काफी सरल थे, उन्होंने मुझे रायपुर बुलाया, हम दोनों रायपुर से बस में बैठकर दुर्ग गये। दुर्ग बस स्टैण्ड में उतरकर रिक्शा में बैठकर के कलेक्ट्रेट गए। कलेक्ट्रेट में कलेक्टर और एस0पी0 से चर्चा किए कि हर हाल में यह समझौता होना चाहिए। ऐसे सरल व्यक्तित्व मेरे विधान सभा क्षेत्र के थे। मैं भगवान से विनती करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति दे। मैं उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ।

श्री धनेन्द्र साहू (अभनपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, स्व0 श्री हेमचंद यादव जी के प्रति भी अपनी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए यह कहूंगा कि वे एक बहुत ही सरल, बहुत ही सहज स्वाभाव के राजनीतिक व्यक्ति के रूप में अपनी छवि बनाई। वे बहुत ही कम उम्र में हम लोगों का जिस तरह से साथ छोड़कर गए, उससे निश्चित तौर पर हम लोग दु:खी भी हैं और उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना भी करते हैं।

स्वर्गीय केयर भूषण जी का लंबे समय तक उनका सानिध्य प्राप्त हुआ। जहां उनकी एक स्वतन्त्रता सेनानी के रूप में बहुत महत्वपूर्ण लंबी लड़ाई देश की आजादी में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वहीं विनोबा भाई से प्रभावित होकर सर्वोदय आंदोलन में भी लगातार लगे रहे। उन्होंने विशेषकर दलितों के उद्धार के लिए, उनके कल्याण के लिए कार्यक्षेत्र अपनाया। यह उनके जीवन की प्राथमिकता रही। हमेशा उनके कामों से, व्यवहारों से, उनके प्रति हमेशा भावनाएं उनके हृदय में होती थी। तो उनके प्रति एक अमिट छाप हमारे अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों के बीच में उनके प्रति एक अपार प्रेम हृद्य में हमेशा-हमेशा के लिए अंकित है। वे दो बार सांसद रहे, लेकिन उनका जीवन पूरी तरह से गांधीवादी था। उनके कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं होता था। उनका जीवन भी पूरी तरह से गांधी से प्रभावित थे। खान-पान, रहन-सहन, हर चीज में था। इसी के साथ वे एक अच्छे लेखक भी थे। वे अपने विचारों से लेखनी के माध्यम से किताबें स्वयं छपवाकर .....जारी

.....श्री श्रीवास

श्रीवास\02-07-2018\a19\11.45-11.50

जारी....श्री धनेन्द्र साहू

अपने विचारों को लेखनी के माध्यम से किताबें स्वयं छपवाकर लोगों को बांटते थे, कोई प्रोफेशनल नहीं, कोई व्यावसायिक तरीके से नहीं, हमेंशा उनके थैले में नई किताबें रहती थी, जो भी मिलते थे, उनको बराबर किताब भेंट करते थे और बोलते थे, इसको जरूर पढ़ना । उनके नहीं रहने से हम लोगों को, इस प्रदेश को क्षति हुई है । छत्तीसगढ़ आंदोलन, राज्य निर्माण के लिए भी उनकी बड़ी भूमिका थी । ऐसे महान विभूति को हम लोगों ने खोया है । उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ ।

विक्रम भगत जी, बहुत ही सरल व्यक्तित्व के धनी रहे और उन्होंने भी जो सेवा की है, आदिवासी जनसमूह के बीच काफी लोकप्रिय रहे हैं । उनके प्रति भी अपना श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ ।

महिला एवं बाल विकास मंत्री (श्रीमती रमशीला साहू) :- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, स्व. हेमचंद यादव जी, जो कि आज हम सब के बीच नहीं रहे । आज इस पवित्र सदन में उनको श्रद्धासुमन, श्रद्धांजलि

अर्पित की जा रही है । मुझे भी इस श्रद्धांजलि में भाग लेने का सौभाग्य मिला है । आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, निश्चित ही स्व. यादव जी एक सामान्य परिवार में जन्में जरूर थे, लेकिन उनका विचार बहुत उच्च रहा । उन्होंने हमेंशा संगठन को महत्व दिया । संगठन के आधार पर एक ऐसा नेतृत्व खड़ा करके पूरे युवाओं को संगठित किया । आज दुर्ग जिले के लिए बहुत बड़ी क्षति हुई है । इस क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता है । आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, वे धार्मिक प्रवृत्ति के भी रहे, हर वर्ष उनका धर्मस्थलों पर प्रवास भी होता रहा । डॉ. साहब को कहते रहे कि यहॉ घूमने जायेंगे । जैसा कि उनकी माताजी हमेंशा धर्म से लिप्त रहती है, धार्मिक प्रवृत्ति की हैं, उनका असर उनके ऊपर पड़ा हुआ था । मैं उनको श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित करती हूॅ । इसके साथ ही सम्माननीय केयूर भूषण जी, जिन्होंने हमें प्रेरणादायी संदेश दिया है । एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ ही साथ वे साहित्यकार भी रहे तथा पत्रकारिता भी की । जनप्रतिनिधि के रूप में भी दो बार सांसद रहकर जो जनसेवा की है, उसके आधार पर उन्होंने हमारे छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय चेतना दी है । उनको भी श्रद्धासुमन अर्पित करती हूॅ, श्रद्धांजलि अर्पित करती हूॅ । इसके साथ ही सम्माननीय विक्रम भगत जी, जो हमारे छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद राज्य मंत्री के रूप में नेतृत्व किये, उनको भी मैं श्रद्धासुमन अर्पित करती हूँ, श्रद्धॉजलि अर्पित करती हूॅ ।

धन्यवाद ।

अध्यक्ष महोदय :- पॉच और लोग करना चाह रहे हैं, मैं एक-एक मिनट का समय दे रहा हूॅ । माननीय अमरजीत भगत । बहुत संक्षिप्त में रखिये ।

श्री अमरजीत भगत (सीतापुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री हेमचंद यादव जी, पूर्व मंत्री, श्री केयूर भूषण जी, पूर्व सॉसद और श्री विक्रम भगत, पूर्व राज्य मंत्री जी के निधन पर मैं गहरा शोक व्यक्त करता हूँ । माननीय विक्रम भगत जी, हमारे आदिवासी समाज के थे, जशपुर के रहने वाले थे । उनका जीवन बहुत ही सरल और सहज था । उन्होंने लम्बा राजनीतिक जीवन जीया है और आदिवासी समाज के लिए उन्होंने बहुत काम किया है । राजनीति में उनका जो सादगीपन था, वह अनुकरणीय था। हम उनके परिवार को इस दु:ख की घड़ी में संवेदना व्यक्त करते हैं । उनके परिवार को ईश्वर दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करे । श्री हेमचंद जी यादव के साथ भीं यहां सदन में काम करने का मौका मिला, उनका भी सादगी और सहजता अनुकरणीय है । उनके प्रति भी मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूॅ ।

अध्यक्ष महोदय :- श्री देवजी भाई पटेल ।

श्री देवजी भाई पटेल (धरसींवा) :- माननीय अध्यक्ष जी, हम आज सदन के माध्यम से सम्माननीय हेमचंद यादव जी, जिनका निधन हम सब के लिए, इस सदन के लिए, देश के लिए अपूरणीय क्षति है । माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं संक्षिप्त में यही कह सकता हूँ कि सरल और सादगी की प्रतिमूर्ति, अपनी संगठन क्षमता और नेतृत्व .....जारी

श्रीमती यादव

नीरमणी\02-07-2018\b10\11.50-11.55

जारी.....श्री देवजी भाई पटेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं संक्षिप्त में यही कह सकता हूं कि सरल और सादगी की प्रतिमूर्ति, अपनी संगठन क्षमता और नेतृत्व क्षमता के साथ-साथ प्रदेश के मंत्री के रूप में उन्होंने अनेक विभाग 8-9 विभागों की मुझे जानकारी है, 8-9 विभागों को बहुत बखूबी से उन्होंने संचालित किया। इस सदन में जिस बेबाकी के साथ एक मंत्री होने के नाते वे जवाब देते थे, वह हम सभी लोगों के लिये सीखने की बात है ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, 3 बार लगातार इस सदन का विधायक होने के नाते उनके साथ अनेक बार चर्चा हुई । वे हमारे मित्र थे, मैं तो उनकी एक घटना ही कह सकता हूं । मैंने अपने क्षेत्र के लिये महाविद्यालय का जो धरसींवा विधानसभा में है, उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए मैंने उनसे कहा तो बोले कि तुम सदन में मांग कर लेना मैं घोषणा कर दूंगा । इतनी सादगी के साथ उस महाविद्यालय जहां पर 112 बच्चों से पंडित श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय जो रायपुर में संचालित थी, धरसींवा में संचालित कर जहां आज 1000 बच्चे वहां पढ़ रहे हैं । वर्षों-वर्षों तक उनकी याद अक्षुण्ण बनाये रखेगी, ऐसे सरल-सहज हमारे श्री हेमचंद यादव जी को मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं । ईश्वर से कामना करता हूं कि उनके परिवार को इस गहन दुख को सहने की क्षमता प्रदान करे ।

मैं श्री केयूर भूषण जी के बारे में कह सकता हूं कि वे एक सर्वोदयी नेता था, गांधीवादी नेता थे और उनसे हमारा निरंतर रायपुर के निवासी होने के नाते एक सांसद होने के नाते मैं केवल एक घटनाक्रम उनके बहुत सरलता के साथ जब छात्रनेता हम लोग थे सन् 1980-81 में तो उस समय एक छात्र आंदोलन के दौरान हमारे उस समय तत्कालीन में श्री बृजमोहन जी भी रहे, सारे नेता जेल में बंद हुए थे। मैं दुर्गा महाविद्यालय का छात्रसंघ सचिव होने के नाते जब इस आंदोलन में इन नेताओं को छुड़ाने के लिये मैंने श्री केयूर भूषण जी से चर्चा की, वे साईकिल से कलेक्ट्रेड पहुंचे, साईकिल से हमारे साथ जेल गये और वे सारे छात्र नेता जो उनके बच्चों को छुड़ाने का काम किया । बहुत सादगी के साथ

उसके बाद भी वे मेरे क्षेत्र में छत्तीसगढ़ और इस देश की आजादी के आंदोलन से लेकर यहां छत्तीसगढ़ के राज्य निर्माण में लगातार सक्रिय रहे, उनका जीवन हम सबके लिये अनुकरणीय है ।

माननीय विक्रम भगत जी जो एक आदिवासी अंचल से जशपुर में जन्मे और बगीचा क्षेत्र से थे वह हमारी पार्टी के एक नेता के रूप में और इस अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक रहे हैं और उसके बाद छत्तीसगढ़ में भी वे प्रथम यहां पर सरकार बनने के साथ जिस समय वे मंत्री रहे हैं । श्री विक्रम भगत जी उस आदिवासी अंचल की अपूरणीय क्षति हैं । मैं हमारे तीनों दिवंगत नेताओं को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं । उनकी जो अपूरणीय क्षति है वह हमारे इस छत्तीसगढ़ के लिये निश्चित रूप से उनकी यादें, उनके कार्य से हम सबको प्रेरणा मिलती रहेगी। मैं तीनों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- हम सब दिवंगत लोगों के साथ निकटता से जुड़े रहे हैं । सब लोग अपनी-अपनी भावना व्यक्त करना चाहते हैं । श्री लाभचंद बाफना जी ने भी अनुरोध किया है, वे भी एक मिनट में अपनी श्रद्धांजलि देंगे । श्री लाभचंद बाफना जी के बाद श्री शिवरतन शर्मा जी और श्री केशव चंद्रा जी हैं । आप लोग 1-1 मिनट में अपनी बात रखिये ।

श्री लाभचन्द बाफना (साजा) :- सम्माननीय अध्यक्ष महोदय जी, कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं जिसके बारे में कोई सपने में सोच भी नहीं सकता । उन घटनाओं में से एक घटना जब श्री हेमचंद यादव जी के निधन का समाचार मिला तो सहसा विश्वास नहीं हुआ । वास्तव में सभी वरिष्ठ लोगों ने माननीय मुख्यमंत्री जी सहित सबने उनको श्रद्धासुमन अर्पित किया है । मैं अपने उन दिनों को भूल नहीं पा रहा हूं जब मैं सन् 1984-85 से दुर्ग में जवाहर चौक, गांधी चौक में कपड़े का व्यवसाय करता था और 5-5, 6-6 घंटे बिल्कुल फक्कड़पन बैठे रहते थे और सन् 1990 में जब उनको युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया, उस समय के तत्कालीन संगठन महामंत्री आदरणीय गोविंद सारंग जी ने बोले लाभचंद तुम कहां फंसा दिये यार, हां में हां मिला दिये उनको अध्यक्ष बना दिये वास्तव में उनके अंदर नेतृत्व क्षमता थी और हमारे बीच में आज वे नहीं रहे । मैं अपनी तरफ से उनको श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं । श्री केयूर भूषण जी वास्तव में बेमेतरा जाते समय बीच में रोड में घर होने के कारण कई बार ऐसे ही फोन कर देते थे कुम्हारी से कि लाभचंद मैं तुम्हारे यहां आ रहा हूं चाय पिऊंगा और काली चाय बनाकर रखना तो ऐसे लोगों के कारण ही आज निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ संवर रहा है, मैं अपनी तरफ से दोनों और श्री विक्रम भगत सहित सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- श्री शिवरतन शर्मा ।

.....श्री यादव

यादव\02-07-2018\b11\11.55-11.60

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज पूरा सदन माननीय हेमचंद जी, माननीय केयूर भूषण जी और माननीय विक्रम भगत जी को श्रद्धांजलि दे रहा है । माननीय अध्यक्ष महोदय, एकाएक विश्वास नहीं होता कि हेमचंद जी हमारे बीच नहीं रहे । परिस्थितियां कितनी भी विपरीत हों और उन परिस्थितियों में विचलित न होना, यह हेमचंद जी की सबसे बड़ी विशेषता थी । मन में एक ही भाव रहता था कि सब ठीक होगा, सब ठीक कर लेंगे । राजनीतिक जीवन में लगभग 30 वर्षों तक साथ काम करने का अवसर मिला । 1998 से 2003 तक विधायक के रूप में और पार्टी के संगठन के पदाधिकारी के रूप में उनके साथ काम किया । अच्छे संगठनकर्ता, अच्छे चुनाव संचालक थे । मेरी तो उनसे व्यक्तिगत मित्रता थी । मेरे क्षेत्र का जो सबसे बड़ा इश्यू भाटापारा शाखा नहर का था । माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर उन्होंने भाटापारा शाखा नहर की पूरी बाधाओं को दूर किया था । आज उसके चलते भाटापारा शाखा नहर में पानी जा सका है । मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय केयूर भूषण जी दो बार हमारे क्षेत्र से लोक सभा के सांसद रहे । 1985 में एक अवसर ऐसा आया था कि वह एक सफाई कामगार के यहां भोजन करने भाटापारा गए थे । हम लोग छात्र राजनीति से भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में सक्रिय हुए थे और हमने वहां उनका घेराव किया कि आप सफाई कामगार के यहां भोजन करने आए हैं, वह सिर्फ नाटक है, आप इस वार्ड की हालत चलकर देखो । उन्होंने पूरे वार्ड को हमारे साथ घूमा और बाद में जब भी भाटापारा प्रवास में आते थे तो सफाई कामगारों के वार्ड में जाकर उनकी पूरी व्यवस्था को ठीक करते थे । उन्हें भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय विक्रम भगज जी भी हमारे साथ विधायक रहे । जब 1985 में जीतकर आए, तब बीजेपी के लिए विपरीत परिस्थितियां थीं, वह उस अवसर पर जीतकर आए और वह लगातार चुनाव जीते। 2003 में दल-बदल के पश्चात् एक बार मंत्री जरूर बने, पर उसके बाद उनका राजनीतिक जीवन समाप्त हो गया। मैं आदिवासी नेता के प्रति भी अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

श्री केशव चंद्रा (जैजेपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय श्री हेमचंद यादव जी, स्वर्गीय श्री केयूर भूषण जी, स्वर्गीय श्री विक्रम भगत जी के बारे में सदन में बताया गया । मैं स्वर्गीय हेमचंद यादव जी की सादगी को, स्वर्गीय केयूर भूषण जी की आदर्शता को और स्वर्गीय विक्रम भगत जी के संघर्ष को नमन करते हुए मेरी तरफ से और मेरे दल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- मैं सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं । दिवंगतों के सम्मान में अब सदन दो मिनट का मौन धारण करेगा।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)

अध्यक्ष महोदय :- दिवंगतों के सम्मान में सदन की कार्यवाही पांच मिनट तक के लिए स्थगित ।

(11:59 से 12:17 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित रही) श्री मिश्रा

मिश्रा\02-07-2018\b12\.-.5

समय: 12.17 बजे **(अध्यक्ष महोदय (श्री गौरीशंकर अग्रवाल) पीठासीन हुए।)**

फरवरी, 2018 सत्र के समय पूर्व सत्रावसान के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित

तिथि की मुद्रित प्रश्नोत्तरी का पटल पर रखा जाना।

अध्यक्ष महोदय :- चतुर्थ विधानसभा के फरवरी, 2018 सत्र का दिनांक 27 फरवरी, 2018 को सत्रावसान हो जाने के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 28 फरवरी, 2018 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी सचिव, विधानसभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधानसभा (श्री चन्द्रशेखर गंगराड़े) :- मैं, अध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-क की अपेक्षानुसार फरवरी, 2018 सत्र का दिनांक 27 फरवरी, 2018 को समयपूर्व सत्रावसान के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 28 फरवरी, 2018 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी सदन के पटल पर रखता हूं।

समय: **फरवरी, 2018 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन**

12.18 बजे **सदन के पटल पर रखा जाना**

अध्यक्ष महोदय :- फरवरी, 2018 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सचिव, विधानसभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधानसभा (श्री चन्द्रशेखर गंगराड़े) :- मैं, अध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-ख की अपेक्षानुसार फरवरी, 2018 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं।

समय **नियम 267-क के अधीन फरवरी, 2018 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा**

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

12.19 बजे उनके उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखा जाना

अध्यक्ष महोदय :- नियम 267-क के अधीन फरवरी, 2018 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन सचिव, विधानसभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधानसभा (श्री चन्द्रशेखर गंगराड़े) :- मैं, नियम 267-क के अधीन फरवरी, 2018 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं।

समय: माननीय राष्ट्रपति/राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त विधेयकों की सूचना

12.19 बजे

अध्यक्ष महोदय :- चतुर्थ विधानसभा के फरवरी-मार्च-अप्रैल, 2017 सत्र में पारित 8 विधेयकों में से शेष बचे 1 विधेयक पर माननीय राष्ट्रपति महोदय तथा फरवरी, 2018 सत्र में पारित 5 विधेयकों में से सभी 5 विधेयकों पर माननीय राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो गई है। अनुमति प्राप्त विधेयकों का विवरण सचिव, विधानसभा सदन के पटल पर रखेंगे।

सचिव, विधानसभा (श्री चन्द्रशेखर गंगराड़े) :- चतुर्थ विधानसभा के फरवरी-मार्च-अप्रैल, 2017 सत्र में पारित 8 विधेयकों में से शेष बचे 1 विधेयक पर माननीय राष्ट्रपति महोदय तथा फरवरी, 2018 सत्र में पारित 5 विधेयकों में से सभी 5 विधेयकों पर माननीय राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो गई है, जिसका विवरण सदन के पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- अनुमति प्राप्त विधेयकों के नामों को दर्शाने वाला विवरण पत्रक भाग-दो के माध्यम से माननीय सदस्यों को पृथक से वितरित किया जा रहा है।

श्री कुरैशी

कुरैशी\02-07-2018\b13\12.20-12.25

समय

12.20 बजे सभापति तालिका की घोषणा

अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा की नियमावली के नियम 9 के उप नियम (1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

1. श्री देवजी भाई पटेल
2. श्री सत्यनारायण शर्मा
3. श्री संतोष बाफना
4. श्री शिवरतन शर्मा
5. श्री धनेन्द्र साहू

समय

12.21 बजे **कार्यमंत्रणा समिति का प्रतिवेदन**

अध्यक्ष महोदय :- कार्यमंत्रणा समिति की बैठक सोमवार, दिनांक 2 जुलाई, 2018 में लिये गये निर्णय अनुसार निम्नलिखित वित्तीय कार्य एवं विधायी कार्य पर चर्चा के लिए उनके सम्मुख अंकित समय निर्धारित करने की सिफारिश की गई :-

1. वित्तीय कार्य -

वर्ष 2018-2019 के प्रथम अनुपूरक की अनुदान मांगों पर चर्चा, मतदान एवं तत्संबंधी विनियोग विधेयक का पुर:स्थापन, विचार एवं पारण.	3 घंटे

2. विधि विषयक कार्य -

1.	छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग (संशोधन) विधेयक, 2018	15 मिनट
2.	छत्तीसगढ़ आधार (वित्तीय और अन्य सहायिकियों, प्रसूविधाओं और सेवाओं का लक्षित परिदान तथा सूचना का संरक्षण), विधेयक 2018.	15 मिनट
3.	छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2018	15 मिनट
4.	छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी (संशोधन) विधेयक, 2018	30 मिनट
5.	छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक, 2018	15 मिनट
6.	छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2018.	15 मिनट

अब इसके संबंध में श्री अजय चन्द्राकर, संसदीय कार्यमंत्री प्रस्ताव करेंगे।

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

संसदीय कार्यमंत्री (श्री अजय चन्द्राकर) :- अध्यक्ष महोदय, मैं, प्रस्ताव करता हूं कि - सदन कार्यमंत्रणा समिति के प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों को स्वीकृति देता है ।

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ ।

प्रश्न यह है कि सदन कार्यमंत्रणा समिति के प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों को स्वीकृति देता है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

घोषणा

समूह छायाचित्र का आयोजन

अध्यक्ष महोदय :- सोमवार, दिनांक 02 जुलाई, 2018 को सायं 5.30 बजे सेन्ट्रल हॉल में चतुर्थ विधान सभा के माननीय सदस्यों का छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल, श्री बलरामजी दास टण्डन के साथ समूह छायाचित्र आयोजित है ।

समस्त माननीय सदस्यगणों से अनुरोध है कि वे कृपया सेन्ट्रल हॉल में सायं 5.00 बजे तक निर्धारित स्थान ग्रहण करने का कष्ट करें ।

विधान सभा की कार्यवाही का वेबसाइट पर उपलब्ध होना

अध्यक्ष महोदय :- मुझे सदन को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि आज दिनांक 2 जुलाई, 2018 से विधान सभा की कार्यवाही को छत्तीसगढ़ विधान सभा की वेबसाइट (www.cgvidhansabha.gov.in) पर ऑनलाईन उपलब्ध कराया जा रहा है । यह कार्यवाही अशोधित रूप में होगी ।

सभी माननीय सदस्य, पत्रकारगण एवं आमजन उक्त सुविधा का अधिक से अधिक लाभ लें ।

पत्रकारगण का समूह छायाचित्र

अध्यक्ष महोदय :- कल, दिनांक 3 जुलाई, 2018 को अपराह्न 1.30 बजे (भोजन अवकाश के तत्काल पश्चात्) सेन्ट्रल हॉल में पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति के सदस्यों एवं पत्रकार दीर्घा के प्रवेशपत्रधारी पत्रकारों के साथ समूह छायाचित्र लिया जाना निर्धारित किया गया है ।

अत: पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति के सदस्य एवं पत्रकार दीर्घा के प्रवेश पत्रधारी समस्त पत्रकारगण निर्धारित स्थान एवं समय पर उपस्थित होवें ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

पृच्छा

श्री भूपेश बघेल (पाटन) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने स्थगन दिया है । बहुचर्चित सी.डी.कांड में 1, 2, 3 जून को रिंकू खनूजा को सीबीआई गवाह के रूप में बुलाती है और 4 जून को भी वह, वहां के लिए निकलता है और 5 जून को पता चलता है कि उसकी मौत हो गई है ।

अध्यक्ष महोदय :- इसके बारे में मैं व्यवस्था दूंगा अभी ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, चूंकि इस घटना की जांच सीबीआई कर रही थी और उस दौरान उसकी मृत्यु हुई है ।

अध्यक्ष महोदय :- अभी इसकी चर्चा की अनुमति नहीं मिली है । आपकी बात आ गई है ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह हम लोगों का अधिकार है । शून्यकाल में अपनी बात करने का अधिकार विपक्ष का है ।

अध्यक्ष महोदय :- बात कहिए, लेकिन सूचना के रूप में कहिए ।

श्री भूपेश बघेल :- अध्यक्ष महोदय, मैं वही बात तो कह रहा हूं । इस कांड में रिंकू खनूजा की मौत हुई है । घटना स्थल देखने के बाद, उसकी पत्नी ने एस.पी. को पत्र लिखा कि यह आत्महत्या नहीं है, यह हत्या है । अध्यक्ष महोदय, इस दिशा में इसकी जांच होनी चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय :- श्री केशव चन्द्रा ।

श्री भूपेश बघेल :- इसलिए हमने स्थगन प्रस्ताव लाया है । इसे ग्राह्य करके इस पर चर्चा कराएं।

श्री कवासी लखमा (कोंटा) :- माननीय अध्यक्ष जी, यह छत्तीसगढ़ का महत्वपूर्ण मामला है । यह सी.डी.कांड से जुड़ा हुआ है । सही क्या है, कैसे होगा, इसके लिए तत्काल इस पर चर्चा की जाए ? छत्तीसगढ़ का आम आदमी सुरक्षित नहीं है । .....जारी

-- श्री अग्रवाल -

अग्रवाल\02-07-2018\b14\12.25-30

जारी.... श्री कवासी लखमा :- सही क्या है, कैसे होगा । इस पर तत्काल चर्चा कराई जाए । छत्तीसगढ़ का आम आदमी सुरक्षित नहीं है....

अध्यक्ष महोदय :- स्थगन पर चर्चा नहीं हो रही है । उन्होंने स्थगन प्रस्ताव की सूचना दी है, उसकी जानकारी दी है ।

श्री कवासी लखमा :- माननीय अध्यक्ष जी, आपसे निवेदन कर रहे हैं कि इसको प्राथमिकता में लेकर चर्चा कराई जावे ।

श्री धनेन्द्र साहू (अभनपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस व्यक्ति से सी.बी.आई. पूछताछ कर रही है और उसकी यहां पर मौंत हो जाती है और उसमें कोई भी गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है । हमने इस पर स्थगन दिया है । कृपया इसे ग्राह्य करें ।

राजस्व मंत्री (श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये शून्यकाल है और मंत्री जी खड़े हो रहे हैं ।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- माननीय अध्यक्ष महोदय, चूंकि शून्यकाल में मैंने प्वाइंट आफ आर्डर उठाया है...।

श्री कवासी लखमा : - जब स्थगन का जवाब देंगे, मंत्री जी उस समय जवाब देंगे ।

अध्यक्ष महोदय :- अभी विस्तार से भाषण नहीं करेंगे, शून्यकाल में अपने-अपने क्षेत्र में या प्रदेश में किसी प्रकार ऐसी कोई घटना घटी हो या किसी प्रकार की कोई सूचना घटी हो, संक्षिप्त में उसका उल्लेख कर दें ।

नेता प्रतिपक्ष (श्री टी. एस. सिंहदेव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यदि आप इसकी ग्राह्यता पर हमें अपनी बात रखने का अवसर देंगे तो ठीक है ।

श्री केशव चन्द्रा (जैजैपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 19 जून, 2018 को महासमुन्द थाने में खिलाड़ियों के साथ जो छेड़छाड़ हुई थी, उसमें लिए एफ.आई.आर. दर्ज करें, इसके लिए माननीय विधायक महोदय डॉ. विमल चोपड़ा जी के नेतृत्व में जो लोग गए...।

अध्यक्ष महोदय :- आपका स्थगन मेरे पास है ।

श्री केशव चन्द्रा :- ये स्थगन है और वहां पुलिस से शांतिपूर्ण ढंग से बात कर रहे थे...

अध्यक्ष महोदय :- आपकी बात आ गई ।

श्री केशव चन्द्रा :- उनके साथ लाठी चार्ज किया गया, तीन लोगों की हड्डी टूटी...

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

अध्यक्ष महोदय :- शून्यकाल में चर्चा नहीं करना है, आपको केवल बताना है कि आपने किसी विषय को सदन के संज्ञान में लाया है । आपने ध्यानाकृष्ट कर दिया, उस संबंध में मैं व्यवस्था दे दूंगा।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, भूपेश जी ने जो मामला उठाया, माननीय पाण्डेय जी कुछ कह रहे थे । हमें कोई दिक्कत नहीं है । पाण्डेय जी, आप चर्चा करें, हम चर्चा के लिए तैयार हैं । आप करें तो ।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- अध्यक्ष जी जो आदेश देंगे, उसका पालन करने के लिए तैयार हैं । इस सदन में जो कुछ होता है, अध्यक्ष जी के निर्देश पर होता है ।

श्री सत्यनारायण शर्मा :- अध्यक्ष जी, मामला गंभीर है...।

अध्यक्ष महोदय :- बृहस्पत सिंह जी कुछ बोल रहे हैं ।

श्री बृहस्पत सिंह (रामानुजगंज) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, बलरामपुर जिले के सनावल क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के अमवारडीह में बन रहा है, जिससे लगभग डेढ़ दर्जन गांव डूब रहे हैं । हवाई सर्वे भी हो गया है और उस क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है, जिसके संबंध में मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगाया है, कृपया ग्राह्य कर चर्चा कराई जावे।

श्री दलेश्वर साहू (डोंगरगांव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, राजनांदगांव जिला के किसानों की बीमा राशि के वितरण में अनियमितता हुई है, उसके संबंध में मैंने ध्यानाकर्षण लगाया है ।

श्री सियाराम कौशिक (बिल्हा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे रोड़ धौलाभाठा और बिल्हा के बीच में जो पुल बनाया गया है, उसमें जम्पिंग बना दिया गया है, जिससे एक्सीडेंट होने की संभावना है । मेरा ध्यानाकर्षण है, चर्चा कराएंगे ।

अमरजीत भगत (सीतापुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सी.डी. कांड से पूरा छत्तीसगढ़ भयभीत है, लगातार घटनाएं हो रही हैं । इसको ग्राह्य करके चर्चा कराई जाए ।

श्री लालजीत सिंह राठिया (धरमजयगढ़) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, घरघोड़ा ब्लॉक के कुडूमकेला में को सी.ई.ओ. के आदेश पर तालाब के पानी को सूखा कर दिया गया है, उसके कारण आज वहां पानी की समस्या है । न तालाब का गहरीकरण किया गया, न वहां पर किसी प्रकार का काम किया गया । एक सक्षम अधिकारी का आदेश होने के बाद वह कार्य पेंडिंग है । उसको पूरा कराएंगे ।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अमरजीत जी इतने भयभीत हैं । इनकी कोई सी.डी. तो मार्केट में नहीं है न ।

श्री अमरजीत भगत :- माननीय अध्यक्ष महोदय, विषय में लिखा गया है । बहुत लोगों की सी.डी. बनी हुई है । उधर से बहुत सारे नेताओं की सी.डी. बनी हुई है इसलिए इसको ग्राह्य किया जाये, इसमें चर्चा होनी चाहिए ।

श्री रामदयाल उइके (पाली-तानाखार) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सी.डी. कांड से पूरा छत्तीसगढ़ भयभीत है । जो मौत हुई है, वह संदेहास्पद है । हत्या हुई है, हमने इस संबंध में स्थगन दिया है, इसको ग्राह्य करने की कृपा करें ।

श्री राजेन्द्र कुमार राय (गुण्डरदेही) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये सदन छत्तीसगढ़ के बारे में है। अगर यहां सी.डी. जैसी बात करें तो सदन का अपमान होगा तो सी.डी. वाला शब्द हटाकर हम विकास की बात करें । धन्यवाद ।

अध्यक्ष महोदय :- ध्यानाकर्षण ।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम लोगों ने स्थगन दिया है, इतना महत्वपूर्ण है और सी.बी.आई. जांच के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो जाती है। सी.बी.आई. खुद संदेह के दायरे में है, छत्तीसगढ़ पुलिस संदेह के दायरे में है । वहां न ही फोरेंसिक जांच हुई है, न ही वहां सील बंद किया गया है और न ही पोस्ट मार्टम रिपोर्ट सामने लाया गया है । ये सीधे-सीधे हत्या का आरोप, जो पीड़िता है, जो पीड़ित व्यक्ति है, उसकी पत्नी ने आरोप लगाया है । बहुत महत्वपूर्ण मामला है । इसे ग्राह्य करके या ग्राह्यता में चर्चा कराएं, हम इसकी मांग करते हैं ।

श्री देवांगन

देवांगन\02-07-2018\b15\12.30-12.35

राजस्व मंत्री (श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर है। माननीय अध्यक्ष महोदय, सी.बी.आई. राज्य सरकार के अधीन नहीं है। विधान सभा में हम लोग कोई भी स्थगन या ध्यानाकर्षण लाने का माननीय सदस्यों का जो अधिकार है, वह राज्य सरकार की नीतियां, राज्य सरकार के प्रशासनिक चूकों के ऊपर, राज्य सरकार के प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा की गयी किन्हीं गलतियों के संबंध में ध्यानाकृष्ट करने के लिए है। जो हमारे अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है, इस

विधान सभा के भी अधिकार क्षेत्र में नहीं है कि उस पर वह चर्चा करायी जाए। इसलिए जो विषय केन्द्रीय या केन्द्र सरकार से संबंधित है तो मैं समझता हूं... (व्यवधान) ..।

श्री धनेन्द्र साहू :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यहां पर सी.बी.आई. की बात नहीं आ रही है। यहां पुलिस जांच कर रही है ... (व्यवधान) ..।

श्री कवासी लखमा :- हम लोग छत्तीसगढ़ में बात नहीं करेंगे तो कहां करेंगे? ... (व्यवधान) ..।

श्री भूपेश बघेल :- रिंकू खनूजा की मौत हुई है और उसको छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच में ली है। हम लोग उसी में चर्चा मांग रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष (श्री टी.एस. सिंहदेव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय मंत्री जी मान रहे हैं कि रिंकू खनूजा की जो मृत्यु हुई है, वह सी.बी.आई. जांच के दरम्यान ही हुई है? क्या वे इस सदन में इस बात को मान रहे हैं? अध्यक्ष महोदय, यह स्थगन क्यों लाया गया है? इसीलिए तो राज्य सरकार अपने एक नागरिक को सुरक्षा देने में पूरी तरफ से विफल हो रही है। अगर माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि सी.बी.आई. जांच के दरम्यान उनकी मृत्यु हुई है तो हम उस बात को कबूल रहे हैं। सी.बी.आई. के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाए।

अध्यक्ष महोदय :- मंत्री जी ने कहा है कि चूंकि सी.बी.आई. ...

श्री टी.एस. सिंहदेव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, रिकार्ड में देख लें कि माननीय मंत्री जी ने क्या कहा है। रिकार्ड में अभी दिखवा लिया जाए।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- बिल्कुल। अभी भी कह रहा हूं कि सी.बी.आई. केन्द्रीय सरकार के अधीन कार्य करने वाली प्रतिष्ठान है, इसीलिए सी.बी.आई. के संबंध में किसी भी ध्यानाकर्षण या स्थगन पर यहां पर चर्चा नहीं हो सकती।

श्री टी.एस. सिंहदेव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष ने सी.बी.आई. की जांच के संबंध में स्थगन नहीं मांगा है।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मौत तो छत्तीसगढ़ में हुई है, रिंकू खनूजा की मौत हुई है। सी.बी.आई. पूछताछ कर रही थी और उस दौरान हुई है। मौत हुई है और पीड़िता उसकी पत्नी ने कहा कि यह हत्या है।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- फिर बोल रहे हैं, सी.बी.आई. पूछताछ कर रही थी, उसी दौरान हुई है?

श्री भूपेश बघेल :- हां-हां, बिल्कुल, वह लगातार जा रहा था।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- पूछताछ के दौरान .. दौरान का क्या मतलब है? ... (व्यवधान) ..।

श्री कवासी लखमा :- छत्तीसगढ़ में मौत हुई है, छत्तीसगढ़ सरकार इसके लिए जिम्मेदार हो सकती है। सी.बी.आई. की बात हमारे हिन्दुस्तान के अंदर ही है।

श्री भूपेश बघेल :- दौरान का क्या मतलब है, उसकी मौत हुई है।

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय :- माननीय अध्यक्ष महोदय, जब सी.बी.आई. का काम है, तो वह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। यदि इन्हें स्थगन लाना चाहिए था तो अन्य कोई और रास्ते हो सकते हैं, लेकिन केन्द्रीय सरकार के किसी भी प्रतिष्ठान के संबंध में यहां प्रश्न/चर्चा नहीं हो सकती।

श्री भूपेश बघेल :- अध्यक्ष महोदय, अन्य कोई रास्ता नहीं है। घटनाक्रम है और घटनाक्रम में इसका उल्लेख है कि 1, 2 और 3 जून को लगातार जाते रहे, 4 जून को वह पहुंचा नहीं है, घर वाले पूछे तो वह सुरक्षित है, यह कहा गया और रिंकू खनूजा की पत्नी ने एस.पी. को जो आवेदन दिया है..।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, मैं व्यवस्था देता हूं।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपसे यह निवेदन करना चाहते हैं कि पूरे प्रदेश में, राजधानी में इस प्रकार की मौत हो रही है और कानून सो रहा है। इस सरकार ने आजतक पोस्टमार्टम रिपोर्ट सब्मिट नहीं की है न ओपन किया है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है। पूरी कानून-व्यवस्था चरमरा गयी है और इसलिए सारे काम रोककर इसे ग्राह्य कर के चर्चा कराएं।

श्री धनेन्द्र साहू (अभनपुर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के लिए इससे बड़ी और कौन-सी दुर्घटना होगी, जो स्थगन के विषय के अंतर्गत आता हो? एक व्यक्ति हाईप्रोफाइल केस से जुड़ा हुआ, जिसकी सी.बी.आई. इंवेस्टीगेशन कर रहा है और उसकी मौत होती है और उसके बाद सामान्य घटना की तरह पुलिस उस घटनास्थल को सील भी नहीं करती, उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भी जिस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए, वह नहीं बरती जाती व उनके घर वालों को मालूम होना चाहिए, किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर रही है। माननीय अध्यक्ष महोदय, इस पर स्थगन दिये हैं। यह इतना महत्वपूर्ण विषय है, आपसे आग्रह है कि कृपया इसको ग्राह्य करें।

अध्यक्षीय व्यवस्था

सी.बी.आई. केन्द्र शासन की एजेंसी है इसलिए इसमें राज्य शासन का कोई हस्तक्षेप नहीं है.

अध्यक्ष महोदय:- माननीय सदस्यों द्वारा दिये गये स्थगन प्रस्ताव की सूचना का मैंने अवलोकन किया। सूचना में उल्लेखित तथ्य एक प्रकरण में सी.बी.आई. जांच की कार्य प्रणाली के संबंध में उठाये गये हैं, जो केन्द्र शासन की एजेंसी है और इसमें राज्य शासन का कोई हस्तक्षेप नहीं है तथा न ही ऐसा काई विषय है, जो राज्य शासन की नीति में चूक की ओर उल्लेख करता हो।

उक्त परिप्रेक्ष्य में मैंने स्थगन प्रस्ताव की सूचना को कक्ष में अग्राह्य कर दिया है।

श्री टी.एस. सिंहदेव :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सी.बी.आई. का उल्लेख नहीं है।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, सी.बी.आई. की जांच के दौरान की बात है। ... (व्यवधान) ..।

श्री कवासी लखमा :- छत्तीसगढ़ में मौत हुई है, ... (व्यवधान) ..।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसमें बड़े लोग शामिल हैं और उन्हें बचाने के लिए ... (व्यवधान) ..।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये।)

अध्यक्ष महोदय :- सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित।

(12 बजकर 35 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक कार्यवाही स्थगित रही।)

श्रीमती सविता

सविता\02-07-2018\b16\12.55-12.60

समय

12.57 बजे **(अध्यक्ष महोदय (श्री गौरीशंकर अग्रवाल) पीठासीन हुए.)**

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इस घटना में...।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईट ऑफ ऑर्डर है।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे पहले आग्रह किया है।

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इस घटना में रिंकू खनूजा की पत्नी ...।

अध्यक्ष महोदय :- अब नियम 138 (1) के अधीन अब ध्यानआकर्षण की सूचना लूंगा। श्री धनेन्द्र साहू।....... (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री संतराम नेताम :- माननीय अध्यक्ष महोदय, ये गंभीर मामला है .... (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईंट ऑफ ऑर्डर है।......(व्यवधान)

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इसलिए इस प्रकरण की जांच होनी चाहिए।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

अध्यक्ष महोदय :- श्री धनेन्द्र साहू। .....(व्यवधान)

समय 12.58 बजे **नियम 138(1) के अधीन ध्यानआकर्षण सूचना**

(1) किसानों को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध नहीं होना।

(व्यवधान के कारण माननीय सदस्य श्री धनेन्द्र साहू द्वारा ध्यानाकर्षण सूचना क्रमांक 01 नहीं पढ़ी गई।)

श्री भूपेश बघेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, और उसकी चर्चा यदि सदन में न हो, छत्तीसगढ़ के एक व्यक्ति की हत्या हो गई है और..... (व्यवधान)

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाईंट ऑफ ऑर्डर है।.....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :- ध्यानाकर्षण सूचना नं. 02 श्री देवजी भाई पटेल।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा नारे लगाए गए.)

(2) **प्रदेश में जन औषधि केन्द्रों से जैनेरिक दवाईयों की आपूर्ति नहीं होना।**

श्री देवजी भाई पटेल (धरसींवा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी ध्यानाकर्षण सूचना का विषय इस प्रकार है :-

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

रायपुर जिला समेत प्रदेश के लगभग 195 जन औषधि केन्द्रों में जरूरी दवाओं की आपूर्ति एवं मरीजों को जैनेरिक दवाएं नहीं मिल रही हैं। प्रदेश के 54 लाख गरीबों को सस्ती दवा उपलब्ध कराने की योजना राज्य शासन ने बनाई, मगर अधिकारियों की लापरवाही के चलते योजना बंद होने के कगार पर है। जन औषधि केन्द्रों से जरूरी दवाईयां क्रोसिन, मल्टी विटामिन केप्सूल, पेटा प्राजोल, बी.कॉम्बलेवल, टेक्सीसार्टेन मोटोकालाल सहित अन्य दवाईयां गायब हैं। जैनेरिक दवाईयों के अनुबंधित आपूर्ति सूची से लगभग 300 से ज्यादा जरूरी दवाईयों को ही सूची से नदादर कर दिया गया है। लोगों को .... जारी

श्री चौधरी

चौधरी\02-07-2018\b17\01.00-01.5

पूर्व जारी.. श्री देवजी भाई पटेल :- लोगों को मंहगी दवाईयों को खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बी.पी., दर्द निवारक, लिवर, हार्ट, शुगर जैसी बीमारियों की दवाईयां तो 04 माह पूर्व से ही केन्द्रों से नदारद हैं। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार लोग नियम, कानून को ताक में रखकर वर्षों से व्यवस्थित प्रक्रिया को भी नजरअंदाज कर प्रदेश के अस्पतालों मे चल रहे लॉन्ड्री जैसे कार्य, जिसमें अधिकांश गरीब धोबी समाज के लोगों का जीवन यापन का पंरपरागत कार्य है, उसमें भी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए मनमर्जी टेन्डर जारी किया गया। 14/05/2018 को आऊट सोर्सिंग लान्ड्री सिस्टम, डी.के.एस. (मेकाहारा) एवं प्रदेश के 06 मेडिकल कॉलेज के लिए निविदा जारी कर ऐसी शर्तें समाहित की गई हैं, ताकि प्रदेश के किसी को भी यह काम मिल ही नहीं सके। 10 करोड़ का टर्न ओवर, 45 लाख की ईएमडी और निविदा में कंपनी/सोसायटी/ट्रस्ट/ एल.एल.पी. की अनिवार्यता शामिल है। अस्पतालों में धुलाई, धुलाई मशीन, चादरों की आपूर्ति उपकरण खरीदी के लिए एकमुश्त टेन्डर जारी करने से जहां एक ओर धोबी समाज अपने परंपरागत रोजगार से वंचित हो रहा है, वहीं खादी ग्रामोद्योग बुनकर सोसायटी भी इससे अछूता नहीं है तथा निविदा जारी कर अनियमितता किए जाने से प्रदेश के आम जनता में शासन/प्रशासन के प्रति भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा नारे लगाये गये।)

स्वास्थ्य मंत्री एवं परिवार कल्याण मंत्री (श्री अजय चन्द्राकर) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कहना सही नहीं है कि रायपुर समेत 195 जन औषधि केन्द्रों में चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवाईयां नहीं मिल रही हैं जबकि वस्तुस्थिति यह है कि प्रदेश के 187 जन औषधि केन्द्रों एवं रायपुर स्थित जन औषधि केन्द्रों में आवश्यक दवाईयां भारत सरकार के निर्देशानुसार उपलब्ध कराई जाती हैं। जन औषधि केन्द्र सभी परिवारों के लिए संचालित है। शासन के निर्देशानुसार संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी जिले के निर्देशित प्राधिकारी होते हैं। सामान्यत: एक जन औषधि केन्द्र में लगभग 395 प्रकार की दवाईयां उपलब्ध रहती हैं। राज्य द्वारा जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जन औषधि केन्द्रों के संचालन हेतु मात्र स्थान उपलब्ध कराया जाता है। उक्त केन्द्रों में जन औषधि आपूर्तिकर्ता की नियुक्ति एवं दवाईयों की आपूर्ति (बी.पी.पी.आई.) ब्यूरो ऑफ फार्मा पब्लिक सेक्टर, अन्डरटेक्सिं ऑफ इंडिया, गुड़गांव, हरियाणा के द्वारा की जा रही है।

जन औषधि केन्द्रों में क्रोसिन (पैरासिटामॉल) मल्टीविटामिन, केप्सूल, पेन्टाप्रेजॉल (ओम्प्रेजॉल) बी कॉम्पलेक्स, टेक्सीसार्टेन (टेलमी सारटन) मेटोप्रोलाल सहित अन्य आवश्यक दवाई पर्याप्त मात्रा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशों के अनुसार उपलब्ध है एवं आम जनता को उपलब्ध कराई जा रही है। गरीब मरीजों को बाहर से दवाईयां खरीदने किसी भी तरह से मजबूर नहीं किया जा रहा है। बी.पी., दर्द निवारक, लीवर, हार्ट, शुगर तथा अन्य सामान्य बीमारियों हेतु उपयोग में आने वाली दवाईयां पर्याप्त मात्रा में जन औषधि केन्द्रों में उपलब्ध है। यह कथन सत्य नहीं है कि दवाईयां 04 माह से उपलब्ध नहीं है। अपितु सत्य यह है कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में जन औषधि केन्द्रों का निरंतर संचालन किया जा रहा है। जहां सभी आवश्यक दवाईयां उपलब्ध है।

राज्य के 06 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं डी.के.एस. पी.जी.आई. (सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल) में लाण्ड्री सर्विसेस के माध्यम से सुविधा प्रदान करने हेतु समस्त स्थानों के एकजाई निविदा मंगाई गई थी। इसमें मानव संसाधनों के साथ केमिकल, रिएजेंट, धुलाई करने वाली मशीनें, चादरें, ओटी ड्रेस इत्यादि आदि का समावेश कर एकमुश्त निविदा जारी किया गया था।

इसके साथ-साथ अलग से धुलाई की मशीन, धुलाई से संबंधित मानव संसाधनों, केमिकल, रिएजेंट, चादर, ओटी ड्रेस इत्यादि की अलग-अलग निविदा किये जाने से, अत्यधिक समय, स्वच्छता (इन्फेक्शन मुक्त) साथ ही समान दर पर उपलब्ध नहीं हो पाता।

वर्तमान में की गई निविदा प्रक्रिया में 03 निविदा प्राप्त हुई। अत: यह कहना सही नहीं है कि व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिये मनमर्जी निविदा जारी किया गया, परन्तु निविदा की शर्तों के अनुरूप निविदाकर्ताओं द्वारा पूर्ण दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण निविदा प्रक्रिया निरस्त की गई है।

अत: दवाईयों की निरंतर उपलब्धता के कारण दवा के संबंध में तथा नियमानुसार कार्यवाही किये जाने के कारण जनता में किसी प्रकार का आक्रोश नहीं है।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा निरंतर नारे लगाये गये।)

श्री अरविन्द

अरविंद\02-07-2018\b18\01.05-01.10

समय

1.05 बजे **स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति के**

लिए 9 सदस्यों का निर्वाचन

अध्यक्ष महोदय :- स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति के लिए निर्वाचन का प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी रखेंगे। उसके बाद..।

मुख्यमंत्री (डॉ0 रमन सिंह) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि '' सभा के सदस्यगण विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 223-ग के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति हेतु वित्तीय वर्ष 2018-2019 की शेष अवधि के लिए अपने में से नौ सदस्यों के निर्वाचन के लिए अग्रसर हो। ''

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

अध्यक्ष महोदय :- प्रश्न यह है कि '' सभा के सदस्यगण विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 223-ग के उप नियम (2) की अपेक्षानुसार स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति हेतु वित्तीय वर्ष 2018-2019 की शेष अवधि के लिए अपने में से नौ सदस्यों के निर्वाचन के लिए अग्रसर हो। ''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अध्यक्ष महोदय :- स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति के सदस्यों के लिए निर्वाचन का कार्यक्रम इस प्रकार निर्धारित किया जाता है :-

1. नाम निर्देशन प्रपत्र विधान सभा सचिवालय में मंगलवार, दिनांक 03 जुलाई, 2018 को अपराह्न 4.00 बजे तक दिए जा सकते हैं।

2. नाम निर्देशन प्रपत्रों की संवीक्षा मंगलवार, दिनांक 03 जुलाई, 2018 को सायं 5.00 से सचिव, विधान सभा के कक्ष में होगी।

3. उम्मीदवारी से नाम वापस लेने की सूचना बुधवार, दिनांक 04 जुलाई, 2018 को अपराह्न 3.00 बजे तक विधान सभा सचिवालय में दी जा सकती है।

4. निर्वाचन, यदि आवश्यक हुआ तो मतदान गुरूवार, दिनांक 05 जुलाई 2018 को प्रात: 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक विधान सभा भवन स्थित समिति कक्ष क्रमांक-2 में होगा।

निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जायेगा।

उपर्युक्त, निर्वाचनों में अभ्यर्थियों के नाम प्रस्तावित करने के प्रपत्र एवं नाम वापस लेने की सूचना देने के प्रपत्र विधान सभा सचिवालय स्थित सूचना कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाए गए)

समय **नियम 250 (1) के तहत गर्भगृह में प्रवेश पर स्वमेव निलम्बन**

01.07 बजे

अध्यक्ष महोदय :- प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 250 (1) के तहत निम्नांकित माननीय सदस्य अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण, सभा की कार्यवाही से स्वमेव निलंबित हो गए हैं :-

1. श्री टी0एस0 सिंहदेव,
2. श्री खेलसाय सिंह,
3. श्री बघेल लखेश्वर,
4. श्री मोती लाल देवांगन,
5. श्री संतराम नेताम,
6. श्री मोहन मरकाम,
7. श्री लालजीत सिंह राठिया,
8. श्री श्यामलाल कंवर,
9. श्री सत्यनारायण शर्मा,
10. डॉ(श्रीमती) रेणु जोगी,
11. श्री अमरजीत भगत,
12. श्री जयसिंह अग्रवाल,

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

13. श्री दिलीप लहरिया,
14. श्री दलेश्वर साहू,
15. श्री पारसनाथ राजवाड़े,
16. श्री बृहस्पत सिंह,
17. श्री भूपेश बघेल,
18. श्री धनेन्द्र साहू,
19. श्री गुरूमुख सिंह होरा,
20. श्री मनोज सिंह मण्डावी,
21. श्री अरूण वोरा,
22. श्री उमेश पटेल,
23. श्रीमती अनिला भेंडिया,
24. श्रीमती तेज कुंवर गोवर्धन नेताम,
25. श्रीमती देवती कर्मा,
26. श्री शंकर ध्रुवा,
27. डॉ0 प्रीतम राम,
28. श्री चिंतामणी महाराज,
29. श्री कवासी लखमा,
30. श्री रामदयाल उइके,
31. श्री भोलाराम साहू,
32. श्री चुन्नीलाल साहू,
33. श्री जनकराम वर्मा,
34. श्री भैय्याराम सिन्हा,
35. श्री गिरवर जंघेल

कृपया माननीय सदस्य सदन से बाहर जाये। मैं निलंबन की अवधि पश्चात निर्धारित करूंगा।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाए गए)

अध्यक्ष महोदय :- विधानसभा की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित।

(सभा की कार्यवाही 1.10 बजे से 1.24 बजे तक स्थगित रही)

.....श्री श्रीवास

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं

श्रीवास\02-07-2018\b19\01.20-01.25

समय

1.24 बजे **(अध्यक्ष महोदय (श्री गौरीशंकर अग्रवाल) पीठासीन हुये ।)**

श्री शिवरतन शर्मा :- अध्यक्ष जी, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । मेरा पाईन्ट ऑफ आर्डर है ।

अध्यक्ष महोदय :- चूँकि सदस्यगण गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण स्वमेव निलंबित हो गये हैं। इसलिए मेंरा माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे कृपया सदन से बाहर चले जायें ।

(भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल के सदस्यों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाए गए)

श्री शिवरतन शर्मा :- अध्यक्ष जी, मेरा पाईन्ट ऑफ आर्डर है ।

<u>निलम्बन अवधि की समाप्ति</u>

अध्यक्ष महोदय :- प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 250 (1) के तहत माननीय सदस्यगण अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण सभा की कार्यवाही से स्वमेव निलंबित हो गये थे । मैं उनका निलंबन समाप्त करता हूँ ।

श्रीमती यादव

नीरमणी\02-07-2018\c10\01.25-01.30

अध्यक्ष महोदय :- प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन संबंधी नियमावली के नियम-250 (1) के तहत् माननीय सदस्यगण अपने स्थान को छोड़कर गर्भगृह में प्रवेश करने के कारण सभा की कार्यवाही से स्वमेव निलंबित हो गये थे, मैं उनका निलंबन समाप्त करता हूं ।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा पाईंट ऑफ ऑर्डर है । मैं बहुत देर से आपसे निवेदन कर रहा हूं, मेरा पाईंट ऑफ ऑर्डर है ।

श्री भूपेश बघेल (पाटन) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह रिंकू खनूजा की जो हत्या हुई है । उसकी पत्नी का आवेदन एस.पी. के पास है । उन्होंने कहा है कि उनकी हत्या हुई है ।

अध्यक्ष महोदय :- सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनांक 03 जुलाई, 2018 को 11.00 बजे दिन तक के लिये स्थगित ।

(अपराह्न 1 बजकर 26 बजे विधानसभा की कार्यवाही मंगवार, दिनांक 03 जुलाई 2018 (आषाढ़ 12, शक संवत् 1940) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिये स्थगित की गई ।)

रायपुर
दिनांक 02 जुलाई, 2018

चन्द्र शेखर गंगराड़े
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिए नहीं